डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

खेलः आईपीएल मैच के दौरान बच्चे ने कर दी...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा : 'वांटेड' गर्ल आयशा टाकिया ने..

वर्ष -09 अंक -46 | प्रयागराज, गुरुवार 20 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी से राहत नहीं, कई हिस्सों में लू की स्थिति का पूर्वानुमान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बुधवार को भी भीषण गर्मी का सिलसिला जारी रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लू की स्थिति का पूर्वानुमान जताया है। आईएमडी ने बताया कि कोलकाता में बुधवार सुबह न्यूनतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। पश्चिम बंगाल में गंगीय क्षेत्र के कई हिस्सों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने के बीच, विभाग ने उत्तर बंगाल के कुछ इलाकों में लू की स्थिति का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार तक लू की स्थिति तथा कहीं-कहीं अत्याधिक लू की स्थिति होने का अनुमान जताया है। बांकुड़ा राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पश्चिम बर्धमान जिले में पानागढ़ वायु सेना स्टेशन में पारा 43.4 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग के मुताबिक, कोलकाता में मंगलवार को अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो बीते कुछ दिनों में दर्ज किए गए तापमान से कुछ डिग्री कम था।

गंगा में नहाने गए दो भाइयों की डूबने से मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के अनूपशहर इलाके में गंगा में नहाने के दौरान दो भाइयों की कथित तौर पर डूबने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि लक्ष्य (19) नामक युवक मंगलवार को अपना जन्मदिन मनाने के लिए भाई अभिषेक (22) और अन्य दोस्तों के साथ अलीगढ़ से अनूपशहर पहुंचा था। उन्होंने बताया कि दोनों भाई मस्तराम घाट पर नदी में नहा रहे थे, तभी वे कथित तौर पर फिसलकर गहरे पानी में गिए गए और डूबने के कारण उनकी मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, गोताखोरों की मदद से दोनों भाइयों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

अयोध्या में सीएम योगी करेंगे श्री रामलला का भव्य जलाभिषेक, चीन-पाक समेत 156 देशों से पहुंचा जल

अयोध्या। भव्य राम मंदिर का सभी को इंतजार है। मंदिर निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। जानकारी के मुताबिक अगले साल जनवरी में राम मंदिर को आम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। इन सबके बीच खबर यह है कि 23 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री रामलला का जलाभिषेक करेंगे। खास बात यह है कि रामलला का जलाभिषेक सिर्फ भारत की पवित्र नदियों के जल से नहीं होगा, बल्कि 156 देशों की नदियों और समुद्र के जल से संपन्न होगा। इसमें पाकिस्तान और चीन की नदियों का भी जल समाहित है। योगी आदित्यनाथ के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों नेता मणिराम दास छावनी सभागार में कलश पूजन

करेंगे।

खबर के मुताबिक दिसंबर 2023 तक भगवान राम का गर्भ गृह बनकर तैयार हो जाएगा और 2024 मकर संक्रांति के बाद गर्भ गृह को भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। वहीं, मंदिर के दूसरे तल का निर्माण कार्य जारी रहेगा। इससे पहले चंपत राय ने भी इसको लेकर जानकारी दी थी। चंपत राय ने बताया कि विजय जौली के नेतृत्व में एक टीम 156 देशों की नदियों का पानी यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंपी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को मणिराम दास छावनी सभागार में जल कलश की पूजा करेंगे। 2020 में जल को इकट्ठा करने का काम शुरू हुआ था। यह काम गैर सरकारी संस्था दिल्ली स्टडी ग्रुप की ओर से किया जा रहा है। इस संस्था के अध्यक्ष दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक विजय जौली हैं।

विजय जौली चंपत राय से विचार विमर्श करने के लिए अयोध्या भी पहुंचे थे। विजय जौली ने बताया कि स्वर्गीय अशोक सिंघल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर मैंने निर्णय लिया कि विश्व भर के नदियों और समुद्रों का जल हम भारत में एकत्रित करेंगे और उस जल से प्रभु श्री राम के मंदिर का जलाभिषेक संपन्न करेंगे। जल को बड़ी शिद्दत से इकट्ठा किया हुआ है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान की राबी नदी का जल भी आया हुआ है। इसके अलावा रूस और यूक्रेन के नदियों का भी जल एकत्रित किया गया है। बताया जा रहा है कि दुबई के रास्ते पाकिस्तान से राबी नदी का जल मंगाया गया है। विजय जौली ने इसे अपने किसी हिंदू मित्र के जरिए मंगवाया है।

हर दिन अधिकतम 13,000 तीर्थयात्रियों के केदारनाथ की यात्रा करने की संभावना

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर की वार्षिक यात्रा 25 अप्रैल से शुरू होने वाली है और उम्मीद है कि हर दिन अधिकतम 13,000 तीर्थयात्री केदारनाथ की यात्रा कर सकते हैं। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी (डीएम) मयूर दीक्षित ने मंगलवार को यहां संवाददाता

सम्मेलन में कहा कि सरकार ने इस बार केदारनाथ यात्रा के लिए 13,000 तीर्थयात्रियों की दैनिक सीमा निर्धारित की है और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए एक टोकन प्रणाली भी शुरू की गई है। दीक्षित और रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विशाखा अशोक भडाने ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। भडाने ने आगामी यात्रा की व्यवस्था की समीक्षा की। दीक्षित ने कहा कि मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या की दैनिक सीमा और टोकन प्रणाली की शुरुआत यात्रा के सुचारू संचालन के लिए की गई है। तीर्थयात्रियों को इस बार यात्रा मार्ग पर 22 चिकित्सकों और इतनी ही संख्या में फार्मासिस्ट की तैनाती के साथ बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। दीक्षित ने कहा कि इनमें तीन चिकित्सक और दो आर्थोपेडिक सर्जन होंगे। यात्रा के मार्ग में बारह चिकित्सा सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

मैं अभी भी एक बीजेपी विधायक हूं,मुकुल रॉय ने कहा- शाह और नड्डा से करूंगा मुलाकात

नई दिल्ली। अनुभवी टीएमसी नेता मुकुल रॉय के अगले कदम के बारे में राजनीतिक पंडित अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं। वहीं अब उन्होंने कहा कि वह अभी भी एक भाजपा विधायक हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलना चाहेंगे क्योंकि वह भगवा खेमे में लौटने के इच्छुक हैं। रॉय के बीते दिनों कुछ निजी काम के लिए नई दिल्ली जाने की बात सामने आई। हालांकि शुरू में उनके परिवार ने शुरू में दावा किया कि वो 'लापता' थे, और में भाजपा पर टीएमसी नेता का उपयोग करने का आरोप लगाया गया।

मुकुल रॉय ने कहा कि मैं एक भाजपा विधायक हूं। मैं भाजपा के साथ रहना चाहता हूं। उन्होंने मंगलवार देर रात एक बंगाली समाचार चैनल को बताया कि पार्टी ने यहां मेरे रहने की व्यवस्था की है। मैं अमित शाह से मिलना चाहता हूं और (पार्टी अध्यक्ष) जे पी नड्डा से बात करना चाहता हूं। टीएमसी के संस्थापक सदस्य 2017 में भाजपा में चले गए। उन्होंने 2011 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी के उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की। हालाँकि, वह सदन से इस्तीफा दिए बिना जल्द ही तृणमूल कांग्रेस में लौट आए।

रॉय ने कहा कि काफी समय से मेरी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए मैं राजनीति से दूर था। लेकिन अभी मैं ठीक हूं और फिर से राजनीति में सक्रिय रहूंगा। उन्होंने कहा कि उन्हें '100 प्रतिशत विश्वास है कि वह कभी भी टीएमसी के साथ नहीं जुड़ेंगे। रॉय के पास अपने बेटे सुभ्रांशु के लिए भी एक सलाह थी। उन्होंने कहा कि उन्हें भी भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए क्योंकि यह उनके लिए सबसे उपयुक्त होगा। रॉय के ठिकाने पर नाटक सोमवार देर शाम से तब शुरू हुआ जब टीएमसी नेता के परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि वह 'लापता' है। कल रात दिल्ली पहुंचने के बाद रॉय ने संवाददाताओं से कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे लेकिन उनका कोई खास एजेंडा नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैं दिल्ली आया हूं। कोई खास एजेंडा नहीं है। मैं कई सालों से सांसद रहा हूं। क्या मैं दिल्ली नहीं आ सकता? पहले मैं नियमित रूप से दिल्ली आता था।

भीषण गर्मी के बीच बिजली की दैनिक खपत 10 करोड़ यूनिट के पार

तिरुवनंतपुरम। केरल में पिछले कुछ दिन से भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है और मंगलवार को पालक्काड जिले में अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बिजली बोर्ड के अनुसार, राज्य में बिजली की खपत का एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। केरल में बिजली की दैनिक खपत 17 अप्रैल को 10 करोड़ 35 लाख यूनिट (एमयू) के आंकड़े को छू गई। केरल राज्य बिजली बोर्ड (केएसईबी) के मुताबिक, इस महीने में यह तीसरा दिन है, जब बिजली की खपत 10 करोड़ यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है, जो राज्य के इतिहास में पहली बार हुआ है। केएसईबी के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 13 अप्रैल को पहली बार बिजली की खपत 10 करोड़ यूनिट से अधिक दर्ज की गई थी। अधिकारी ने कहा, ''पिछले साल सबसे ज्यादा खपत 28 अप्रैल को करीब 9.6 करोड़ यूनिट रही थी।''

गुरुग्राम में कलयुगी बेटे ने मां को बनाया हवस का शिकार, अब कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

गुरुग्राम। गुरुग्राम में एक कलयुगी बेटे की बेहद शर्मनाक करतूत के सामने आने के बाद न्यायालय ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है। एक व्यक्ति ने पहले ना सिर्फ अपनी मां के साथ बलात्कार किया बल्कि बाद में उसे आत्महत्या के लिए भी उकसाया। इस मामले में अब गुरुग्राम की अदालत ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हुए आरोपी व्यक्ति को मृत्युपर्यंत उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इस मामले पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राहुल बिश्नोई की अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजिका का बेटा होने के नाते दोषी को ''उसकी सुरक्षा करनी चाहिए थी', लेकिन वह उसका उत्पीड़क बन गया और 'एक जानवर की तरह व्यवहार किया' और भयंकर कृत्य को अंजाम दिया, जिसकी वजह से महिला के पास अपनी जान लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। अदालत ने अपराध की प्रकृति और जिस तरह से उसे अंजाम दिया

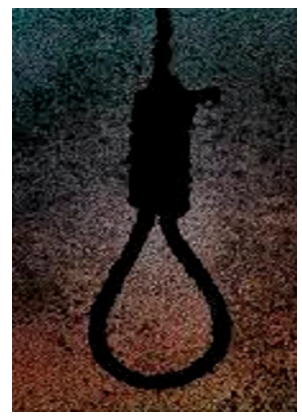

उस पर गौर करते दोषी को सख्त आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने कहा कि दोषी मौत होने तक जेल में रहेगा। पुलिस के मुताबिक, 16 नवंबर, 2020 कोपटौदी इलाके के एक गांव में एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी। उन्होंने बताया कि महिला के पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी और आरोप लगाया कि महिला को इतना बड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर किया गया।

पुलिस ने बताया कि उसने कहा कि मृतका का बड़ा बेटा नशे का आदी है और अक्सर परिवार के सदस्यों से झगड़ा करता रहता है। उन्होंने बताया कि करीब 20 साल पहले पति की मौत के बाद महिला की शादी उसके देवर से हुई थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज किया गया। शव के पोस्टमॉर्टम से पुष्टि हुई कि महिला से बलात्कार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि इसके बाद महिला के बेटे को 21 नवंबर, 2020 को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया और मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में पुख्ता सबूत पेश किए। पुलिस ने बताया कि अदालत में 18 गवाहों ने गवाही दी और आरोपी के खिलाफ आरोप सही साबित हुए।

केरल को मोदी मोदी की सौगात से खुश हुए शशि थरूर, कहा-राजनीति से परे होना चाहिए विकास

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को कहा कि वो 25 अप्रैल को पीएम मोदी द्वारा की जाने वाली राज्य की पहली वंदे

भारत ट्रेन के लॉन्च में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रगति राजनीति से परे होनी चाहिए। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी टैग किया और खुशी जताई कि वंदे भारत अब केरल पहुंच गया है। 2022 में थरूर ने केंद्र से राज्य को वंदे भारत देने का आग्रह किया। थरूर ने कहा कि खुश हूं कि अश्विनी वैष्णव ने ऐसा ही किया। केरल का पहला वंदे भारत कासरगोड से तिरुवनंतपुरम तक पूरे राज्य में 8 घंटे में 600 एलएम की दूरी तय करेगा। शशि थरूर ने 2022 में ट्वीट करते हुए कहा था कि वंदे भारत ट्रेनों को केरल में लाने से पिनाराई विजयन की विकास को बढ़ावा देने और भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में केरल कांग्रेस की चिंताओं को कम करने पर ध्यान देने की बात कही थी। हाल ही में पीएम मोदी ने राजस्थान में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा था कि मैं गहलोत जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। राजनीतिक खींचतान के इन दिनों में जब वह कई संकटों से गुजर रहे हैं, उन्होंने विकास कार्यों के लिए समय निकाला और एक रेलवे कार्यक्रम में भाग लिया। मैं उनका स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने कांग्रेस के गहलोत को 'मित्र' कहकत भी संबोधित किया था। केरल की पहली वंदे भारत ट्रेन का रूट अभी सामने आया है। ये ट्रेन तिरुवनंतपुरम से कासरगोड के बीच चलेगी। रास्ते में ये ट्रेन कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, थ्रिसर, तिरूर, कोझिकोड स्टेशन पर रुकेगी। केरल की पहली वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल 2023 को हरी झंडी दिखाकर तिरुवनंतपुरम से रवाना करेंगे। केरल वंदे भारत ट्रेन 501 किलोमीटर का सफर करेगी जो कुल 7.5 घंटे में पूरा होगा।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,537 नये मामले सामने आये, संक्रमण दर 26.54 प्रतिशत रही

नयी दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,537 नये मामले सामने आये, जबकि संक्रमण दर 26.54 प्रतिशत रही। शहर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में कोविड के नये मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 20,25,781 हो गई और पांच मरीजों की मौत हो जाने के बाद महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 26,572 हो गई है। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,017 मामले सामने आये थे, जबकि संक्रमण दर 32.25 प्रतिशत रही थी, जो 15 महीनों में सबसे अधिक थी। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल 14 जनवरी को संक्रमण दर 30.6 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

युवक की आत्महत्या के मामले में, मंत्री और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर। एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने के मामले में राजस्थान के कैबिनेट मंत्री महेश जोशी एवं अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि मंत्री ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पुलिस को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। चौक थाना क्षेत्र में रामप्रसाद (38) ने सोमवार को संपत्ति संबंधी विवाद के चलते एक गोदाम में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रामप्रसाद के भाई ने कैबिनेट मंत्री जोशी एवं अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज कराया है। सुभाष चौक थाने के थानाधिकारी राम फूल मीणा ने बताया कि युवक रामप्रसाद के भाई ने जलदाय मंत्री महेश जोशी समेत 5-6 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी कल रात दर्ज की गई और इसकी जांच अपराध जांच शाखा (सीआईडी-सीबी) द्वारा की जाएगी क्योंकि मामला विधायक के खिलाफ दर्ज कराया गया है, परिजनों के आंदोलन के कारण शव को उठाया नहीं जा सका है। महेश जोशी हवामहल इलाके से विधायक और अशोक गहलोत सरकार में मंत्री हैं। जोशी ने मंगलवार की शाम संवाददाताओं से बातचीत में मृतक के परिजनों की ओर से लगाए गये आरोपों को खारिज कयिा। उन्होंने कहा, "13 अप्रैल को परिवार के लोग मिलने आये थे और मैंने उनके साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं किया। पुलिस मेरी सीसीटीवी फुटेज से मृतक के

परिजनों की मुलाकात की जांच कर सकती है। मैं फुटेज पुलिस को उपलब्ध करवा दूंगा।" उन्होंने कहा कि "मैं किसी भी प्रकार ना पुलिस जांच को दिशा देना चाहता हूं.. ना पुलिस की जांच में दखल करना चाहता हूं.. मैं चाहता हूं पुलिस निष्पक्ष जांच करे। मृतक के परिवार की ओर से कोई भी शिकायत या जवाब, स्पष्टीकरण मुझे नहीं दिया गया।" उन्होंने कहा कि दर्ज प्राथमिकी की निष्पक्ष और गहराई से जांच होनी चाहिए और जो दोषी पाया जाए उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाही होनी चाहिए। इधर सुभाष चौक पर घटना स्थल पर परिजनों और सर्वधर्म समाज की ओर से आयोजित धरने पर भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि रामप्रसाद के परिजनों को जब कहीं से मदद नहीं मिली तो वो स्थानीय विधायक और मंत्री महेश जोशी के पास गये और परिजनों के अनुसार उन्होंने उनका अपमान किया और धक्का मुक्की की। मीणा ने कहा, मंत्री द्वारा उनको जो प्रताड़ना दी गयी, उसके कारण वह अवसाद में आ गया और मौत को गले लगा लिया।

उन्होंने कहा कि हमने ज्ञापन के जरिये मांग की है कि मामले में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कयिा जाए, पीड़ित परिवार को सहायता पैकेज व परजिन को सरकारी नौकरी दी जाये। उन्होंने कहा, पुलिस आयुक्त यहां आये थे। उनको हमने ज्ञापन दे दिया और उनको कह दिया कि यह बात सरकार तक पहुंचा दो। सरकार कहेगी तो नक्शा मौका भी हो जायेगा..बयान भी हो जायेंगे.. पोस्टमार्टम भी हो जायेगा सारी कार्रवाई हो जायेगी लेकिन सरकार कहे तो सही कि हम उनको गिरफ्तार कर लेंगे। जयपुर नगर निगम हैरीटैज के उपायुक्त (हवा महल-आमेर जोन) दिलीप कुमार शर्मा ने बताया कि अवैध होटल के निर्माण को रोकने के लिये निगम की ओर से तीन नोटिस जारी किये गये थे।

जनवरी में दिये गये नोटिस के बाद होटल में निर्माण कार्य बंद कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि नोटिस के बाद अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जा रहा है। रामप्रसाद ने आत्महत्या से पहले एक कथित वीडियो बनाया था जिसमें वह जोशी व अन्य को खुदकुशी के लिए जिम्मेदार ठहराया सुनाई दे रहा है। इस कतिपय वीडियो में रामप्रसाद कह रहा है "देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल रॉयल शरेटन के मालिक मुंज टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी और कैबिनेट मंत्री महेश जोशी ने हमारे परिवार को इतना परेशान कर रखा है कि आज मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं।

एसआईटी की रिपोर्ट पर शाहगंज एसओ समेत 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

काल्विन अस्पताल में ले जाते वक्त बरती गई लापरवाही

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। माफियाञअतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की काल्विन अस्पताल में ले जाते वक्त बरती गई लापरवाही के मामले में पुलिस ने बुधवार को बड़ी करवाई की। शाहगंज थाना प्रभारी अश्वनी सिंह, धूमनगंज थाना अंतर्गत चौकी प्रभारी नीवां प्रीत पांडेय, दरोगा शिव प्रसाद मौर्या, सिपाही जयमेश कुमार और सिपाही संजय प्रजापति को निलंबित किया गया है।

पुलिस अफसर ने ये कार्रवाई एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर की है। बता दें कि 15 अप्रैल की रात माफिया अतीक अहमद और अशरफ को लेकर पुलिस काल्विन अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराने ले गई थी। उनकी सुरक्षा में धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश मौर्या समेत 19 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगी थी। शाहगंज थाना प्रभारी की जिम्मेदारी थी कि माफिया के पहुंचने पर अपने एरिया में स्थित अस्पताल के आसपास सुरक्षा इंतजाम देखें लेकिन सुरक्षा में बरती गई लापरवाही के कारण अतीक अहमद और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

दीपक तले अंधेरा, ब्लाक परिसर में शुद्ध पेयजल की किल्लत

प्रतापगढ़। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल योजना ब्लाक से गांवों तलक पहुँचायी जा रही है। यदि ब्लाक परिसर मे भीष्ण गर्मी मे शुद्ध पेयजल की व्यवस्था बाधित है तो 'दीपक तले अंधेरा' ही कहा जा सकता है।

विकास खण्ड सांगीपुर परिसर में अधिकारियों की उदासीनता के चलते ब्लॉक में आने वाले लोगों को पीने का पानी नसीब नहीं हो रहा है। ब्लॉक परिसर दो वाटर कूलर लगे हुए हैं जिसमें से एक खराब पड़ा हुआ है और दूसरा वाटर कूलर का पानी दूषित व बदबू मार रहा है।भीष्ण गर्मी मे दूर - दराज से काम के लिए आये लोगों को शुद्ध व शीतल पानी पीने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

ब्लाक परिसर में सीमेंट कंक्रीट की पानी टंकी बनाया गया है, जिसमे पानी रहता है साफ सफाई के अभाव में शुद्ध पेयजल पीने योग्य नहीं रहता है । समर्सेबुल के साथ साथ हैंड पम्प भी लगा हुआ है ।

नगरीय निकाय निर्वाचन सम्बन्धी मतदान कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं निष्पक्षता पूर्ण सम्पन्न कराने के लिये निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में एवं जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल के आदेश के क्रम में मतदान कार्मिकों का प्रथम पाली में 658 पीठासीन एवं द्वितीय पाली में 658 प्रथम मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज में दिया गया।

प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण करते हुये मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक ईशा प्रिया ने कहा कि समस्त मास्टर ट्रेनर्स की यह जिम्मेदारी है कि मतदान कार्मिकों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान सभी महत्वपूर्ण बिन्दु को विस्तारपूर्वक समझायें और निर्वाचन की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से उन्हें बतायें ताकि निर्वाचन के दिन उन्हें कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। निर्वाचन का समय प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक का होगा। एक ही बैलेट बॉक्स में नगर पालिका अध्यक्ष/नगर पंचायत अध्यक्ष एवं वार्ड मेम्बर के मत पत्र एक साथ डाले जायेगें। मतदान केन्द्रों पर कोई न तो धूम्रपान का प्रयोग करेगा न ही मोबाइल लेकर जायेगा और उसका कोई प्रयोग नही करेगा अन्यथा की स्थिति में उसे पुलिस के हवाले किया जायेगा। एक पोलिंग पार्टी में पीठासीन प्रथम मतदान अधिकारी, द्वितीय मतदान अधिकारी एवं तृतीय मतदान अधिकारी रहेगें। पीठासीन अधिकारियों को अपनी पार्टी का पूरा विवरण रखना होगा। उन्होने विस्तार पूर्वक निर्वाचन की प्रक्रिया के बारे में बताया एवं महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होने मतदान कार्मिकों से प्रश्न भी किया और उसके समुचित जवाब भी प्राप्त किये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी राम नारायण यादव,प्राचार्य अफीम कोठी शिव प्रकाश, सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज के प्राचार्य आनन्द कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज बरहदा डा0 विन्ध्याचल सिंह, प्रधानाचार्य राजकीय उमावि इमली डांड डॉ0 सालिकराम प्रजापति सहित ए0एन0 द्विवेदी, नीरज मिश्रा, सुशील सिंह आदि उपस्थित रहे। मास्टर ट्रेनर में प्रमुख रूप से डा0 मोहम्मद अनीस, प्रभाकर सिंह, राजेश सिंह, अनिल कुमार, शाहिद मुराद, नसीमुद्दीन, टी0आर0 सिंह अदि एवं अनिल सिंह और अशोक शुक्ला सहित समस्त टेक्निकल मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

अतीक अशरफः तीनों आरोपी 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजे गए

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में गिरफ्तार लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या को सीजेएम कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर 7 दिनों की

कस्टडी रिमांड मांगी गई थी। हालांकि सीजेएम कोर्ट ने तीनों आरोपियों की चार दिन की कस्टडी रिमांड की मंजूरी दी है। कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद अब 23, अप्रैल को आरोपियों को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को प्रतापगढ़ जेल से लाकर आज सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। आरोपियों की पेशी को लेकर जिला कोर्ट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे.

पुलिस वाले की बेटी है, अतीक अहमद की बीबी शाइस्ता परवीन, कैसे बन गई मोस्टवांटेड

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। अतीक अहमद और अशरफी की हत्या के बाद जिन दो लोगों की तलाश सबसे तेज है, वो हैं अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन और गुड्डू मुस्लिम। पहले चर्चाएं थीं कि बेटे के अंतिम संस्कार में शाइस्ता पहुंच सकती हैं और आत्मसमर्पण कर सकती हैं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब अशरफ कि ससुराल तक शाइस्ता की खोज जारी है। दरअसल 'शाइस्ता' पस्तो भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है 'सुंदर।' लेकिन आज शाइस्ता परवीन पर 50 हजार का इनाम रखा गया है और वह उत्तर प्रदेश की मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में शामिल हैं। पुलिसवाले की बेटी शाइस्ता अचानक अपराधियों की लिस्ट में नहीं आई हैं। जब भी अतीक और अशरफ जेल जाते थे, शाइस्ता ही बाहर रहकर उसके गोरखधंधे हैंडल किया करती थीं। आज शाइस्ता 50 साल की हो गई हैं। शाइस्ता की शिक्षा प्रयागराज में ही ली थी। उन्होंने 12वीं पास किया है। हैं। दो बेटे अभी नाबालिग हैं और उन्हें सुधार गृह में रखा गया है। शाइस्ता एक पुलिसवाले की बेटी हैं।

1996 में अतीक से शादी के बाद वह भी गैंग की मुखिया की तरह काम करन लगीं। अतीक और शाइस्ता के पांच बेटे थे। इनमें से अब चार हैं। असद एनकाउंटर में मारा गया था। इसके अलावा अली और उमर जेल में

शाइस्ता के पिता मोहम्मद हरून अब रिटायर हो चुके हैं। वह अपने परिवार के साथ प्रयागराज के ही दामूपुर में रहते हैं। शाइस्ता शादी से पहले अपने पिता के साथ सरकारी पुलिस क्वार्टर में ही रहती थीं। शाइस्ता अपने छह भाई बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनका एक भाई मदरसे का प्रिंसिपल है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक एक रिटायर्ड स्कूल टीचर ने शाइस्ता के बारे में बताया कि वह बहुत ही नम्र स्वभाव की थीं और हमेशा पैरेंट्स टीचर मीटिंग में पहुंचती थीं।

अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर उमेश पाल की हत्या मामले में शाइस्ता का नाम क्यों आया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शाइस्ता अपने पति अतीक से मिलने साबरमती जेल गई थीं। यहीं पर उमेश पाल की हत्या को लेकर दोनों ने चर्चा की। अतीक ने शाइस्ता से कहा कि जेल में फोन भिजवा दें। इसके लिए एक पुलिसवाले का नाम भी बताया। जेल में अतीक के पास फोन पहुंच गया और उसने उमेश पाल की हत्या की साजिश वहीं बैठे-पैठे रच दी। वहीं एक प्रॉपर्टी डीलर ने भी आरोप लगयाा था कि शाइस्ता उसको फोन करके बार-बार उगाही करती हैं।

ईद अलविदा जुमा नगर पंचायत चुनाव हेतु पीस कमेटी की बैठक

फूलपुर। सामने आ रहे सर्वप्रथम अलविदा जुमा तत्पश्चात ईदुलफितर तथा उसके बाद नगर पंचायत चुनाव के मद्देनजर फूलपुर थाने में एसीपी मनोज कुमार सिंह एवं थाना प्रभारी यशपाल सिंह की अध्यक्षता में कस्बे तथा ग्रामीण क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों की एक बैठक में बताया गया कि मस्जिदों में किसी प्रकार के भड़काऊ पोस्टर या स्पीच पर पाबंदी रहेगी। इसी प्रकार नगर पंचायत चुनाव में शांति पूर्वक मतदान करने तथा मुसलमानों के दो त्योहार एक साथ पडने से हम सब की जिम्मेदारी बढ़

जाती है कि एक दूसरे का सहयोग करें भाईचारे के माहौल में त्यौहार मनाए सोशल मीडिया पर बेवजह पोस्ट करने पर कार्यवाही होगी। मौके पर नवनिर्वाचित हसमत जहां सभासद, अध्यक्ष पद के बसपा प्रत्याशी सै0 इलियास अहमद, बलवंत मौर्य, इस्लाह अहमद बबलू, रामबाबू केसरी, आबिद प्रधान, सरफराज अहमद, सै0 जाकिर उर्फी, नंदलाल यादव प्रधान, महबूब नेता, धर्मेंद्र गुप्ता प्रधान, शिव बाबू, श्याम चौरसिया, नौशाद पत्रकार, बबलू नेता, अरसद उल्ला, मोहम्मद शाहनवाज अख्तर प्रतिनिधि सायरा बानो कांग्रेस आदि मौजूद रहे।

घर में चूहा व छंछूदर से फैलता है संचारी रोग, करें बचाव के प्रभावी उपाय

01 से 30 अप्रैल तक कृषि विभाग की तरफ से चलाये जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत चूहा व छंछूदर नियंत्रण कार्यक्रम।

प्रयागराज। किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 01 से 30 तक जिले में चूहा नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा हैं । चूहा व छंछूदर से स्क्रब टायफस एवं लेप्टोस्पायरोसिस नामक बीमारी फैलती है । स्क्रब टायफस रोग ओरियेंटा सुत्सुगैमुसी नामक जीवाणु से होता है तथा चूहों द्वारा इसको फैलाया जाता है । इस बीमारी का मुख्य लक्षण तेज बुखार (102 से 104 डिग्री फारेनहाइट) व मष्तिष्क ज्वर, खॉसी, जुकाम, निमोनिया, प्लेटलेट्स की संख्या का अचानक घटना, लीवर, दिमाग, फेफड़ा आदि पर कई तरह का संक्रमण फैलने का खतरा होता है तथा शरीर पर निशान बन जाते हैं। इसका लक्षण दिखते ही तुरंत डाक्टर से सलाह लेना चाहिये । लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी गंदगी भरे वातावरण (जैसे मिट्टी एवं अस्वच्छ जल) से होता है एवं चूहों द्वारा फैलता है । इस रोग के कारण ठंड के साथ अचानक बुखार, मांसपेशी में तेज दर्द के साथ तीव्र सिर दर्द तथा कभी-कभी पेट दर्द भी होता है। लक्षण दिखते ही तुरंत डाक्टर से सलाह लेना चाहिये।

किसान भाई निम्न तरह से चूहे का नियंत्रण कर सकते हैं-

1. चूहों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए अन्न भण्डारण पक्का, कंक्रीट तथा धातु से बने पात्रों में करना चाहिए ताकि उनको भोज्य पदार्थ सुगमता से उपलब्ध न हो सकें ।

2. चूहे अपना बिल, झाड़ियों, कूड़ों एवं मेड़ों आदि में स्थायी रुप से बनाते हैं। खेतों का समय-समय पर निरीक्षण एवं साफ-सफाई करके इनकी संख्या को नियंत्रित किया जा सकता है ।

3. चूहों के प्राकृतिक शत्रुओं - बिल्ली, साँप, उल्लू, लोमड़ी, बाज एवं चमगादड़ आदि द्वारा चूहों को भोजन के रुप में प्रयोग किया जाता है। इनको संरक्षण देने से चूहों की संख्या नियंत्रित हो सकती है ।

4. चूहेदानी का प्रयोग करके उसमें आकर्षक चारा जैसे - रोटी, डबलरोटी, बिस्कुट आदि रखकर चूहों को फंसा कर मार देने से इनकी संख्या नियंत्रित की जा सकती है ।

5. घरों में ब्रोमोडियोलान 0.005 प्रतिशत के बने चारे की 10 ग्राम मात्रा प्रत्येक जिंदा बिल में रखने से चूहे उसको खाकर मर जाते हैं।

6.एल्युमिनियम फास्फाइड दवा की 3-4 ग्राम मात्रा प्रति जिंदा बिल में डालकर बिल बंद कर देने से उससे निकलने वाली फास्फीन गैस से चूहे मर जाते हैं ।

चूहा बहुत चालक प्राणी है । इसको ध्यान में रखते हुए छः दिवसीय योजना बनाकर इनको आसानी से नियंत्रित किया जा सकता हैः-

प्रथम दिन- आवासीय घरों एवं आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण एवं बिलों को बंद करते हुए चिन्हित करें ।

दूसरे दिन- निरीक्षण कर जो बिल बंद हों वहॉ चिन्ह मिटा दें, जहॉ पर बिल खुले पायें वहॉ चिन्ह रहने दें । खुले बिल में एक भाग सरसों का तेल एवं 48 भाग भुने दाने का चारा बिना जहर मिलाये बिल में रखें ।

तीसरे दिन?- बिलों का निरीक्षण कर बिना जहर का चारा पुनः रखें ।

चौथे दिन- जिंक फास्फाइड 80 प्रतिशत की 1.0 ग्राम मात्रा को 1.0 ग्राम सरसों का तेल एवं 48 ग्राम भुने दाने में बनाये बिल में रखें ।

पॉचवे दिन- बिलों का निरीक्षण करें एवं मरे हुए चूहों को एकत्र कर जमीन में गाड़ दें ।

छठे दिन- बिलों को पुनः बंद करें तथा अगले दिन यदि बिल खुले पाये जायें तो उनमें एल्यूमिनियम फास्फाइड की 3-4 ग्राम मात्रा डालकर बिल बंद कर दें ।

6 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराजं। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट वृंदा शुक्ला के निर्देशन में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभिया के क्रम में चित्रकूट पुलिस ने 06 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया ।

(क). चौकी प्रभारी जिलाकारागार श्री श्यामदेव सिंह तथा उनकी टीम द्वारा मु0अ0सं0 69/19 धारा 138बी विद्युत अधिनियम के वारण्टी अभियुक्त छेदीलाल पुत्र चौबा 2. हरीप्रसाद पुत्र साधू 3. राकेश मौर्या पुत्र सुन्दरलाल निवासीगण गोल तालाब कुंजनपुरवा थाना कोतवाली कर्वी को गिरफ्तार किया गया ।

(ख). चौकी प्रभारी सीतापुर श्रील जनार्दन प्रताप सिंह तथा उनकी टीम द्वाराव मु0अ0सं0 1038/17 धारा 198बी विद्युत अधिनियम के वारण्टी अभियुक्त गोपी केसरवानी पुत्र भरतलाल निवासी रामघाट थाना कोतावाली कर्वी जनपद चित्रकूट को गिरफ्तार किया गया ।

(ग). उ0नि0 रामाधार सिंह थाना कोतवाली कर्वी तथा उनकी टीम द्वारा मु0अ0सं0 592/18 धारा 452/376/506 भादवि0 के वारण्टी अभियुक्त हनुमान श्रीवास्तव पुत्र स्व0 रामलखन निवासी बघौंड़ा थाना कोतवाली कर्वी जनपद चित्रकूट को गिरफ्तार किया गया ।

अग्निकांड से बचाव हेतु फायर माक ड्रिल का हुआ आयोजन,भूकम्प पर भी चर्चा

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा की अध्यक्षता में ग्रीष्म काल में होने वाले अग्निकांड एवं उच्च तापमान के कारण अग्नि से होने वाली घटनाओं से राहत एवं बचाव व आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं अग्निशमन सेवा सप्ताह 2023 के दौरान जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में कलेक्ट्रट परिसर में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया।

मॉक ड्रिल में आग से बचाव व सावधानियों के विषय में विस्तृत वर्णन के साथ-साथ क्या करें, क्या न करें पम्पलेट का वितरण भी किया गया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने मॉक ड्रिल में उपस्थित सभी से आवाहन करते हुये कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुये अग्निकांड से बचाव हेतु दिये गये प्रशिक्षण को अन्य लोगों के साथ भी साझा करें जो आज यहां किन्ही कारणों से उपस्थित नहीं हो पाये है। अपर जिलाधिकारी ने इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के उपाय के सम्बन्ध में बताया कि हुक्का पीने के पश्चात् चिलम की आग को पूर्ण रूप से बुझाकर छेड़िये,जलते हुये बचे बीड़ी के टुकड़े को पैर से कुचलकर तथा पूर्ण रूप से बुझाकर फेकिये, खलिहान, तालाब के निकट या अन्य पानी के साधनों के निकट स्थापित कीजिये। पुआल व कण्डों के ढेर को पूर्ण रूप से सूख जाने पर निवास स्थान से कम से कम 100 फुट की दूरी पर लगाइये।चूल्हे के ईधन की चिंगारियों व गरम राख को पूर्ण रूप से ठंडा करके फेंकिये। घी व तेल की आग को बालू व मिट्टी से ढककर बुझाइये। गैस चूल्हे को हमेशा गैस सिलेण्डर से ऊपर रखकर खाना बनायें। लीकेज की दशा में हमेशा रेगुलेटर की नाब बन्द कर दें तथा ज्वलनशील सामग्री से दूर रखें। रात्रि में सोने से पहले गैस सिलेण्डर

की नाब बन्द करना न भूले। फायर बिग्रेड को ग्रामीण क्षेत्र की आगों पर बुलाते समय घटना स्थल का सही पता,पानी का साधन, घटना स्थल से पानी की दूरी की सूचनायें अवश्य सूचित करें ताकि गाड़ियों के भेजने में देरी न हो।

उन्होंने भूकम्प से बचाव के सम्बन्ध में बताया कि भूकम्प आने की स्थिति में सबसे सुरक्षित स्थान खुले मैदान होते है जहां शरण लेना सुरक्षित होता है। भूकम्प के झटके एक के बाद एक क्रमशःआ सकते है, अतः कुछ देर तक बाहर रूकने के बाद ही वापस भवन में प्रवेश करना चाहिये।

भूकम्प आने पर भवन से बाहर निकलने के लिये लिफ्ट का प्रयोग न करके सीढ़ियों का प्रयोग करना चाहिये,लिफ्ट कभी भी खराब हो सकती है।बिजली के उपकरणों को बन्द कर दें,अन्यथा बिजली के ट्रांसफार्मर खम्भे आदि के गिरने पर शार्ट सर्किट से आपके भवन में आग लग सकती हैं। भवन गिरने पर एलपीजी सिलेण्डर के फटने से विस्फोट होने की सम्भावना रहती है। भवन का निर्माण भूकम्प रोधी होना चाहिये।भूकम्प के दौरान यदि सड़क मार्ग से यात्रा कर रहे हों तो गाड़ी को सड़क के किनारे रोक लेना चाहिये। यदि भूकम्प आने पर भवन के गिरने से मलबे में फंस गये है तो साफ कपड़े या रूमाल से मुँह को ढक लें, ज्यादा धूल या गन्दगी नाक में न जा पाये तथा धैर्य बनाये रखें, क्योंकि जिला प्रशासन की टीम आपको निकालने का प्रयास कर रही होती है। थोड़ी थोड़ी देर पर बचाओ-बचाओ की आवाज दें, जिससे आपके स्थान का पता चल सके।इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय सहित जिला सूचना विज्ञान अधिकारी,शासकीय अधिवक्ता राजस्व,जिला आपदा विशेषज्ञ,आपदा लिपिक एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

फर्जी चेहरों पर फिदा हो गई 700 भारतीय लड़कियां, महंगे गिफ्ट के लालच में करवाया अकाउंट खाली

देव मणि शुक्ल

नोएडा पुलिस ने ऐसे एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो इंस्टाग्राम पर युवतियों से दोस्ती कर उन्हें महंगे गिफ्ट भेजने के बहाने अपने जाल में फंसाता था और कस्टम अधिकारियों द्वारा गिफ्ट पकड़े जाने की बात कहकर उनसे लाखों रुपये क्लीयरेंस के नाम पर ठगता था। इस गिरोह ने अब तक सैकड़ों हाई प्रोफाइल महिलाओं को अपने झांसे में लाकर ठगी की है। पकड़े गए गिरोह में 7 नाइजीरियन के नागरिक समेत एक भारतीय महिला शामिल है।

एसीडीपी शक्ति अवस्थी ने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर फर्जी प्रोफाइल बनाते थे और इसके बाद फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय महिलाओं से संपर्क कर उनसे दोस्ती करते थे। बात करने के दौरान ठग अपने आप को विदेशी पायलट बताते थे और पायलट की फोटो गूगल से डाउनलोड कर महिलाओं को भेजते थे। जब महिलाएं उनके झांसे में आ जाती थी तो वो उन्हें विदेश से गिफ्ट भेजने का लालच दे कर कस्टम क्लीयरेंस और एनओसी चार्ज के नाम पर ठगी को अंजाम देते थे। इसके लिए वो भारतीय बैंक एकाउंट का इस्तेमाल करते थे। इन लिफ्ट की कीमत कई लाखों में होती थी।

शक्ति अवस्थी ने बताया कि यह आरोपी कोई छोटे मोटे अपराधी नहीं, बल्कि वह शातिर अपराधी हैं जो करीब 700 युवतियों को अपने जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम दे चुके हैं। यह आठों आरोपी पिछले 9 सालों से ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। आरोपियों की पहचान डेनियल जोन, कैल्विन ओकाफोर ग्यूईज, उच्चेन्ना एग्बू, जोनस डैक्का, हिबिब फोफाना और ईक्सा सगीर के रूप में हुई हैं। यह मूलनिवासी साउथ कोरिया के हैं। वहीं भारतीय महिला की पहचान राधिका के रूप में हुई है। यह सिक्किम की रहने वाली है। इन्होंने अपना रहने का ठिकाना दिल्ली बनाया हुआ था। यह कार्यवाही कोतवाली 20 द्वारा की गई है।

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में से अधिकतर भारत में 2021 में आए हुए थे। इन्होंने भारत आने के लिए पढ़ाई और इलाज के लिए वीजा लिया हुआ था। इनके वीजा 2021 में खत्म हो गया था। उसके बाद यह अवैध तरीके से देश में रहकर ठगी की घटना को अंजाम देते थे। आरोपियों द्वारा सिक्किम की महिला को कस्टम अधिकारी के रूप में पेश किया जाता था, क्योंकि वह हिन्दी बोलना जानती थी, जवह महिला मित्रों से हिन्दी में बात कर ठगी किया करती थी। गिरोह द्वारा भारतीय रुपए को नाइजीरियन करेंसी में बदलकर अपना शौक पूरा किया करते थे।

सीओ कानपुर नगर को 50 रूपये अर्थदंड की सजा

गैर जमानती वारंट, 350 सीआरपीसी की नोटिस के बाद भी नहीं आए साक्ष्य देने सीओ अमरनाथ यादव - पन्नूगंज थाना क्षेत्र में साढ़े 14 वर्ष पूर्व हुए भोला हत्याकांड का मामला

सोनभद्र। साढ़े 14 वर्ष पूर्व कुल्हाड़ी से काटकर हुई भोला की हत्या के मामले में साक्ष्य के लिए बार -बार बुलाने के बावजूद भी सीओ कानपुर नगर अमरनाथ यादव के कोर्ट में हाजिर न आने पर गैर जमानतीय वारंट व धारा 350 सीआरपीसी की नोटिस के साथ ही प्रकीर्ण वाद दर्ज किया गया है। तामिला के बावजूद भी कोर्ट में हाजिर न आने पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने 50 रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की धनराशि की कटौती सीओ के वेतन से की जाएगी।

बता दें कि पन्नूगंज थाना क्षेत्र के ऊंची खुर्द गांव निवासी भोला की 11 सितंबर 2008 को कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी सूचना थाने पर भोला के बेटे श्री राम ने दी जिसपर चार लोगों के विरुद्ध हत्या की एफ आई आर दर्ज की गई। मामले की विवेचना तत्कालीन पन्नूगंज एसओ रहे अमरनाथ यादव जो वर्तमान में सीओ कानपुर नगर पद पर तैनात हैं ने किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर अभियुक्तगणों परमेश्वर, राजू, राजन व बिंदेश्वरी के विरुद्ध कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। इसी मामले में साक्ष्य के लिए कोर्ट द्वारा बार - बार बुलाया जा रहा, लेकिन वे नहीं आए। कोर्ट ने गैर जमानतीय वारंट जारी किया फिर भी नहीं आए। उसके बाद धारा 350 सीआरपीसी की नोटिस भी भेजी गई। तामिला होने के बावजूद भी वे नहीं आए। जिसपर कोर्ट ने अलग से सीओ कानपुर नगर के विरुद्ध प्रकिर्ण वाद दर्ज कराया। लेकिन वे सफाई देने के लिए नहीं आए। सुनवाई करते हुए अदालत ने यह मानते हुए कि सीओ कानपुर नगर अमरनाथ यादव को सफाई में कुछ नहीं कहना है, क्योंकि तमिला के बाद भी नहीं आए। इस कृत्य पर कोर्ट ने सीओ कानपुर नगर अमरनाथ यादव को 50 रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही अर्थदंड की धनराशि की कटौती वेतन से करने का आदेश दिया है।

गैंगरेप के दोषियों को उम्रकैद

50- 50 हजार रूपये अर्थदंड ना देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद

5 वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म का मामला

सोनभद्र। 5 वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर गैंगरेप के दोषियों राम औतार व लड्डू को उम्रकैद एवं 50- 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि एक लाख रूपये पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक शक्तिनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 15 मई 2018 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था की उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी 14 मई 2018 को रात 8- 9 बजे शौच के लिए रेलवे लाइन की ओर निकली थी जहां पर पहले से मौजूद राम औतार पुत्र स्वर्गीय धर्मजीत निवासी परसवार राजा थाना शक्तिनगर ने बेटी को पकड़ लिया और उसे पटक दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफ आई आर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू की। दौरान विवेचना लड्डू पुत्र राजेंद्र बैगा निवासी परसवार राजा का नाम भी प्रकाश में आया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में राम औतार व लड्डू के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर गैंगरेप के दोषियों राम औतार व लड्डू को उम्रकैद एवं 50- 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि एक लाख रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

ऋषि चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गरीब बच्चों को कापी किताब वितरित किया गया

देव मणि शुक्ल

नोएडा ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट सेक्टर 5 हरौला, जेजे कॉलोनी, में झुग्गी झोपड़ी मजदूर असहाय बच्चों को 2 घंटे निशुल्क शिक्षा देती है। ऋषि की पाठशाला मे पढ़ने वाले 50 से 55 बच्चों को आज कॉपी, किताब, पेंसिल आदि वितरण की गई!ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक भारती नेगी ने कहा है।हम गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देकर उनका भविष्य संवार रहे हैं।

हमारे समाज में मां-बाप इतनी मेहनत करने के बाद भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे। पाते यदि उन्हें सही दिशा व शिक्षा मिले तो वह भी बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं और आगे जितना भी हमसे होगा हम इन बच्चों के लिए। अच्छी से अच्छा करने की कोशिश करेंगे।ताकि यह बच्चे अपना भविष्य खुद आगे चलकर बना सकें।और अपने मां-बाप का नाम रोशन कर सकें।ट्रस्ट में उपस्थित।भारती नेगी संस्थापक,अध्यक्ष, रीना वैद, प्रीति सिन्हा, सोनिया सिंह, आरती सिंह, पूजा कुमारी, अतुल जी, सतपाल जी, आदि लोग उपस्थित रहे।

जनपद न्यायालय के न्यायाधीशगणों ने किया पाथ वात्सल्य खुला आश्रय गृह व राजकीय बाल गृह का औचक निरीक्षण

भण्डार गृह को स्वच्छ रखने एवं बच्चों को संतुलित भोजन देने का दिया निर्देश

देवरिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तथा सिविल जज जे0डी0 द्वारा राजकीय बाल गृह व पाथ वात्सल्य खुला आश्रय गृह देवरिया में बच्चों के खान-पान, रहन-सहन तथा भण्डार गृह के साफ-सफाई का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश इंदिरा सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि बच्चों के दिनचर्या में व्यायाम के साथ कौशल विकास को भी रखा जाये जिससे बच्चे शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत रहें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार दूबे ने कहा कि बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत हैं, जिसके लिये समय-समय पर उचित खान-पान

की व्यवस्था के साथ-साथ निरन्तर चिकित्सीय जांच कराया जायें। जिससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहे । मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंजू कुमारी ने राजकीय बाल गृह देवरिया में बच्चों कै लिए खेल को आवश्यक बताया तथा प्रत्येक दिन विभिन्न तरह के खेलों को कराने का निर्देश दिया। उन्होंने भोजन हेतु खाद्य सूची का निरीक्षण करते हुये भोजन में पौष्टिक आहार रखने का निर्देश दिया। सिविल जज जे0डी0 श्रीकांत गौरव द्वारा बच्चों के रहने वाले कमरों का निरीक्षण किया गया तथा बच्चों को उनके अध्ययन का निरीक्षण कर उनके पठन-पाठन के कार्य को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया । न्यायधीशगणों द्वारा बच्चों के भोजन का निरीक्षण किया गया,बच्चों के भोजन हेतु किचेन में साफ सफाई की गुणवत्ता की जांच की गयी तथा पौष्टिक भोजन बनाने का आवश्यक निर्देश दिया। इस निरीक्षण में मुख्य रूप से अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश इंदिरा सिंह, अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अशोक कुमार दूबे , मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंजू कुमारी, सिविल जज जे0डी0 श्रीकांत गौरव , राजकीय बाल गृह , व पाथ वात्सल्य खुला आश्रय गृह के प्रतिनिधि तथा अन्य सम्बन्धित कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

कम समय में बनानी हो लजीज डिश, तो बहुत काम आएंगे किचन टूल्स

वर्किंग कल्चर होने के कारण आज महिलाओं का शैड्यूल इतना बिजी हो गया है कि वे खाना बनाने पर ज्यादा समय नहीं दे पाती हैं। मन होने के बावजूद सब्जियां वगैरा काटने के झंझट से बचने के लिए शौर्टकट तरीका ही अपनाना पसंद करती हैं। ऐसे में वे कम समय में ज्यादा चीजें और अपनी पसंद का खाना बना सकें इस के लिए पेश हैं स्मार्ट किचन टूल्सः

क्विक चौपिंग ऐंड डाइसिंग : फूड चौपरः सब्जियों को मिनटों में काट कर आप के समय की बचत करते हैं फूड चौपर। यही नहीं सब्जियां भी एक ही साइज की कटती हैं। न किचन गंदी होने का झंझट, न ही हाथ कटने का डर और काम करने में भी काफी आसानी। तो हुआ न मैजिक फूड चौपर। कीमत भी पौकेट फ्रैंडली यानी यह आप को क्व300 से क्व500 में आसानी से मिल जाएगा।

चौपर स्लाइसर डाइसर : आप पार्टियों आदि में बहुत ही डैकोरेटिव वे में सलाद को सजा देख सोचती होंगी कि काश मैं भी घर पर ऐसा सलाद तैयार कर सकती। जी हां, आप भी घर पर ऐसा सलाद डिफरैंट शेप वाले डाइसर से तैयार कर सकती हैं।

फ्रैश जूस कुछ ही पलों में : इलैक्ट्रौनिक जूसर से जूस निकालने के झंझट से बचने के लिए अधिकांश लोग बाहर से ही जूस पीना पसंद करते हैं। लेकिन वे इस बात से अनजान रहते हैं कि इस से जूस का तापमान बढ़ जाता है जो सेहत के लिए सही नहीं होता। मैन्युअल जूसर से जूस निकालना काफी आसान ही नहीं होता, वरन वह टेस्टी व सेहतमंद भी होता है। फिर जूसर को धोने में भी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती। बस मन किया और तैयार कर लिया जूस। आप को क्व150 से ले कर क्व400 तक अच्छा जूसर मिल जाएगा।

फटाफट करें लंच की तैयारी : पूरी मेकरः घर में ज्यादा मेहमान आ जाएं और आप यह सोचसोच कर परेशान हैं कि खाने में क्या बनाया जाए तो घबराएं नहीं। पूरी मेकर से मिनटों में तैयार करें ढेरों पूरियां और वह भी बिना किसी की मदद लिए। यकीन मानिए इस से बनी पूरियां मेहमानों को आप की तारीफ करने को मजबूर कर देंगी और फिर कीमत भी सिर्फ क्व300 से क्व500 के बीच।

रोटी मेकर दे रोटियों को परफैक्ट शेप : रोटियों को परफैक्ट शेप देना बड़ा मुश्किल काम होता है। ऐसे में आप ने लंच के लिए डिशेज तो एक से बढ़ कर एक तैयार कर लीं लेकिन रोटियां कहीं टेढ़ीमेढ़ी न बन जाएं यह सोच कर घबरा रही हैं तो शांत हो जाएं, क्योंकि रोटी मेकर है न, जो रोटियों को परफैक्ट शेप देने के साथसाथ आप का समय भी बचाएगा।

सेहत वाले शेक्स मिनटों में

हैंड ब्लैंडर : परिवार का कोई सदस्य कब क्या फरमाइश कर दे कुछ कहा नहीं जा सकता और फिर आप की भी कोशिश उन्हें हैल्दी चीजें परोसने की रहती है, तो फिर सोचना कैसा। उन्हें रोज हैंड ब्लैंडर से उन की पसंद के शेक्स सर्व कर उन्हें सेहतमंद बनाएं। बजट की चिंता भी नहीं क्योंकि यह आप को वाजिब कीमत में मिल जाएगा। इस तरह के स्मार्ट किचन टूल्स अपना कर आप जो समय बचाएंगी वही आप का अपनों के साथ बिताया क्वालिटी टाइम बन जाएगा।

शादी के बाद ससुराल वालों के हाथों की कठपुतली क्यों बन जाती है लड़की

महिलाओं को विवाह के बाद अपने व्यक्तित्व को, स्वभाव को बहुत बदलना पड़ता है। समाज सोचता है कि नारी की स्वयं की पहचान कुछ नहीं है। विवाह के बाद बड़े प्यारदुलार से उस की सामाजिक, मानसिक स्वतंत्रता उस से छीनी जाती है। छीनने वाला और कोई नहीं स्वयं उस के मातापिता, सासससुर और पति नामक प्राणी होता है। विदाई के समय मांबाप बेटी को रोतेरोते समझाते हैं कि बेटी यह तुम्हारा दूसरा जन्म है। सासससुर और पति की आज्ञा का पालन करना तुम्हारा परम कर्त्तव्य है। ससुराल में साससुसर और पति कुछ स्पष्ट और कुछ संकेतों द्वारा ससुराल के अनुसार चलने की हिदायत देते हैं। मध्यवर्गीय व उच्च मध्यवर्गीय समाज की यह खास समस्या है। पत्नी विदूषी है, किसी कला में पारंगत है, तो उस में ससुराल वाले और संकुचित मानसिकता वाला पति उस की प्रतिभा का गला घोटने में देर नहीं करता। नृत्यकला या गायन क्षेत्र हो तो उसे साफतौर पर बता दिया जाता है कि ये सब यहां नहीं चलेगा। इज्जतदार खानदान के मानसम्मान की दुहाई दी जाती। यहां तक कि कुछ घरों में बहुओं को नौकरी करने से भी मना कर दिया जाता है। भले घर में कितनी ही आर्थिक तंगी क्यों न हो। किसीकिसी घर में जहां आर्थिक तंगी, बदहाली चरम सीमा पर पहुंची होती है वे नौकरी की आज्ञा तो दे देते हैं, पर औफिस में किसी पुरुष से बात नहीं करनी और पूरा वेतन पति या सास को देने की शर्त रख दी जाती है। कठपुतली वाली जिंदगी सुनंदा जिला स्तर की टैनिस खिलाड़ी थी। घर भर की लाडली थी। जीवन कैसे हंसखेल कर बिताया जाता है यह उस से सीखा जा सकता था पर अपनी जीवन प्रतियोगिता में वह पिछड़ गई। देखसुन कर एक सभ्रांत घर में रिश्ता तय किया गया। पति व ससुर दोनों उच्चपदाधिकारी थे। पगफेरे के लगभग 1 महीने बाद कठपुतली की तरह व्यवहार करने को मजबूर हो गई, जिस की डोर सिर्फ ससुराल वालों के हाथ में थी। क्या पहनेगी, कहां जाएगी, कितनी बात करनी है सब पति और ससुराल वाले तय करते थे। उस की भाभी ने अपना मोबाइल उसे छिपा कर दे दिया। अवसर पाते ही सुनंदा ने मायके से फोन पर अपनी व्यथाकथा कही तो भाभी हैरान रह गईं। ऊंची दुकान फीके पकवान वाली कहावत चरितार्थ हो रही थी। अगर वह कुछ कहती तो ससुराल वाले उस के भाई व पिता को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते। बेचारी डर के मारे चुप रह जाती। अवसर पाते ही पिता व भाई सुनंदा को ससुराल से वापस ले आए। 1 साल तक वह उन के साथ रही। जिला क्लब में टेबल टैनिस की कोच बन गई। साल भर ता ो ससुराल वालों की नाराजगी के कारण कोई खो जखबार नहीं ली ा र

बाद में एक दिन पति ही सिर झुकाए गिड़गिड़ाता हुआ आ पहुंचा और सुनंदा को ले जाने का आग्रह करने लगा। घरवालों ने लिखित रूप से उस से वे सब बातें लिखवाई जिन से पति और उस का पिता सुनंदा को धमकाता था। आइंदा सुनंदा के साथ कुछ गलत न करने का वादा रिकौर्ड करवा कर सुनंदा को उस के साथ भेज दिया।

सताने के नए पैंतरे एक और घटना में एक युवती का विवाह एक ऐसे घराने में हो गया। जो अव्वल दर्जे के धोखेबाज थे। उन्होंने अमीर और सभ्य बनने का नाटक किया था। वास्तव में वे लोग सिर से पैरों तक कर्ज में डूबे थे। शादी में उन्हें अच्छाखासा कैश मिलने की उम्मीद थी, जो पूरी नहीं हुई। इस का आक्रोश निकाला गया।

युवती की सारी बुनियादी आवश्यकताओं पर रोक लग गई। पति और ससुर के खाने के बाद जो बचता वही वह खाती। फोन करने, बाहर जाने पर पाबंदी थी। मायका दूसरे शहर में था। ससुराल वाले जानपहचान वालों से भी नहीं मिलवाते। अगर कोई मिलने की इच्छा जाहिर करता तो वे कहते कि वह सोई हुई है या तबीयत खराब है। बड़ी कोशिशों के बाद परिवार को उसे वहां से निकालने का मौका मिला। जहां तक सैक्स की बात हो पति अपनी इच्छाओं को सर्वोपरि रखता है। पत्नी थकी हो या बीमार अथवा उस की इच्छा न हो, परंतु स्त्री को पति की जरूरत के आगे घुटने टेकने ही पड़ते हैं। यदि यह प्रस्ताव पत्नी की ओर से हो तो उसे पहले दर्जे की बेहया मान कर अपमानित किया जाता है यानी कदमकदम पर उस की स्वतंत्रता को रौंदा जाता है।

कुछ पुरुष तो अपनी पत्नी को अपनी जायदाद या संपत्ति समझते हैं। पिछले दिनों यह खबर सुर्खियों में थी कि एक सैनिक अपनी पत्नी को अपने सैनिक मित्रों, सहयोगियों के साथ यौन संबंध बनाने को बाध्य करता था। मना करने पर चाकू से उस के कपड़े काट देता था। सच में स्त्री के साथ ऐसा व्यवहार, ऐसी दरिंदगी बेहद खौफनाक है। एक औरत विवाह के बाद अगर इस तरह के पुरुषरूपी भेड़ियों के हाथ पड़ जाती है, तो उस की हर प्रकार की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है। ज्यादातर पत्नियों को स्त्री समस्या के बारे में, रेप की बढ़ती घटनाओं पर, किसी सभा में बोलने या लिखने पर भी पाबंदी लगा दी जाती है। पति शराबी है, मारपीट करता है, नपुंसक है तो भी पत्नी को उसी पति के लिए सती होना पड़ता। यानी रहने को मजबूर होना पड़ता है। क्या करें महिलाएं विवाह के बाद महिला की स्वतंत्रता समाप्त न हो, इस के लिए स्त्रियों को स्वयं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। कुछ दिन पहले का मामला है, विवाह के समय दूल्हा नशे में धुत्त होशहवास खो कर डांस कर रहा था। यह देख कर दुलहन ने उस से शादी करने से इनकार करते हुए मंडप छोड़ दिया। जहांतहां दहेज लोभियों को सबक सिखाने के लिए लड़की द्वारा बरात लौटा देने के समाचार आते रहते हैं, जो अच्छा संकेत हैं। आज की युवा पीढ़ी को चाहिए कि अपने होने वाले पति या होने वाली पत्नी के साथ मिलबैठ कर अपनी आंकाक्षाओं, विचारधाराओं से भली प्रकार एकदूसरे को अवगत करा दें। शराबी, बेरोजगार, तथा दहेज के लोभी पुरुषों का बहिष्कार कर देना चाहिए। मातापिता भी अपनी बेटियों को बेवजह घुटने टेकने के लिए मजबूर न करें।

जिस प्रकार हम एक पौधे को जड़ से निकाल कर दूसरी जगह रोपते हैं, तो देखते हैं कि मिट्टी, पानी, हवा सब उस पौधे के लिए अनुकूल हैं अथवा नहीं। अगर मिट्टी ठीक नहीं है, पानी ज्यादा या कम दे दिया, हवा पर्याप्त न मिली तो पौधा सूख जाता है। इसी प्रकार स्त्री भी विवाह के बाद अपनी जड़ें मायके से निकाल कर ससुरालरूपी बगीचे में रोपती है। उसे स्वतंत्रता, प्यारदुलार रूपी हवा, मिट्टी मिलनी चाहिए नहीं तो उस का व्यक्तित्व मुरझा जाएगा। विवाह नारी स्वंतत्रता का अंत नहीं। प्रत्येक स्त्री को अपनी प्रतिभा, आकांक्षाओं और सपनों को संजो कर रखने का पूरा हक है। ये उस के जीवन की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें नष्ट होने से रोकना है। उन का व्यक्तित्व और अस्तित्व एक ऐसा भवन है, जिसे खंडित करने का हक किसी को नहीं है। यदि स्त्री किसी कारणवश ऐसे नर्क से गुजर रही है, तो उसे किसी की सहायता लेनी चाहिए। अपनी निजी स्वतंत्रता का हनन होने से रोकना चाहिए। नारी एक जननी है। उस का अपमान करना, उस पर अत्याचार करना या उस की मानसिक, शारीरिक, स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाना, जघन्य अपराध ही नहीं पूरे परिवार के विकास में भी बाधा है।

स्वस्थ तन मन के लिए जरूरी है नींद

नींद हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इस के बिना हम चुस्तदुरुस्त नहीं रह सकते। शोध में पाया गया है कि नींद जहां हमारे शरीर को आराम देती है, वहीं शरीर को स्वस्थ भी रखती है। नींद के अभाव में अल्जाइमर जैसी जानलेवा बीमारी के खतरे की आशंका बढ़ जाती है। इस खतरनाक बीमारी की जांच के लिए डेविड होल्टजमैन ने चूहों और मनुष्यों के शरीर पर शोध किया। शोध में पाया गया कि नींद चूहों और मनुष्यों में बीटा एमिलायड के स्तर को प्रभावित कर शरीर में कंपन पैदा करती है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नींद पूरी न होने से शरीर की कुछ कोशिकाएं डैमेज हो जाती हैं, जिस की वजह से शरीर में कंपन शुरू हो जाता है। जिस से शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है। शोध में यह भी स्पष्ट हुआ है कि एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 6-7 घंटे की नींद आवश्यक है।

नींद पूरी न होने की वजह से उच्च रक्तचाप व दिल के रोग होने की आशंका बढ़ जाती है इसलिए पूरी नींद जरूर लें। शोध के दौरान यह भी पाया गया कि चूहों में बीटा एमिलायड का स्तर उस समय अधिक होता है जब वे जागे होते हैं। जब हम जागते हैं तो हमारा मस्तिष्क ज्यादा सक्रिय होता है और यह बीटा एमिलायड के स्राव का कारण हो सकता है। नींद ठीक से न आने की वजह से व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है इस के बावजूद डाक्टर नींद की दवा लेने की सलाह नहीं देते। वैज्ञानिक शोधों में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ कि नींद की दवा लेना जरूरी है या नहीं। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के तंत्रिका विज्ञानी डोमेन क्रोपर के अनुसार, अगर भविष्य में नींद और अल्जाइमर का संबंध साबित हो जाता है तो लोगों को दवा खिलाने के बजाय सोने को प्रेरित करने के लिए अभ्यास कराना ज्यादा सही रहेगा। नींद पर शोध कर रही अल्जाइमर्स सोसायटी लंदन भी स्पष्ट नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है कि नींद के लिए दवा लेना जरूरी है या नहीं। नींद अगर प्राकृतिक रूप से ली जाए तो इस के परिणाम सुखद होंगे? इस तर्क पर ही विशेषज्ञों के एकमत होने की संभावना है। सकारात्मक सोच के साथ यदि कोई कार्य किया जाए तो उस के परिणाम सुखद व अच्छे ही निकलते हैं। नींद के मामले में भी कुछ ऐसा ही है।नींद हमारे शरीर के लिए क्यों आवश्यक है? यह एक वैज्ञानिक प्रश्न हो सकता है, पर प्रश्न के जवाब में तो यही स्पष्ट होता है कि नींद हमें मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाती है। पर्याप्त नींद लेने से हमारी निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है।

गंगोत्री का प्राकृतिक सौंदर्य कर देता है सभी को मंत्रमुग्ध

गंगोत्री हिमालय की गोद में स्थित है। हिंदू धर्मग्रंथों में 'मां गंगा' के रूप में जिस नदी का जिक्र आता है, यह उसका उद्गम स्थल है इसलिए इसका धार्मिक महत्व भी खूब है। यहां के दर्शनीय स्थलों में 18वीं शताब्दी के दौरान गोरखा कमांडर अमर सिंह द्वारा बनवाया गया गंगोत्री मंदिर प्रमुख है। गंगोत्री के प्राकृतिक सौंदर्य की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। यह स्थान अपने अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। गंगोत्री की यात्रा पर आए सैलानियों को यहां का अलौकिक सौंदर्य मंत्रमुग्ध सा कर देता है। गंगोत्री चूंकि एक खूबसूरत तीर्थस्थल है सो इसके आसपास का वातावरण बहुत ही शांतिमय है। गंगोत्री के आसपास में स्थित तपोवन, नंदनवन तथा गोमुख स्थलों का जब आप पैदल भ्रमण करेंगे तो आपको अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होगा। लंबे-लंबे देवदार वृक्ष और उनके मध्य से बहती हुई ठंडी हवा सैलानियों का मन बरबस ही मोह लेती है और उन्हें एक सुखद अहसास भी कराती है। यदि आप पर्वतारोही हैं तो आपके लिए यह स्थल और भी बढ़िया है। यहां आप न सिर्फ अपनी पर्वतारोहण की इच्छा पूरी कर सकते हैं अपितु प्रकृति के अलौकिक सौंदर्य का दर्शन भी कर सकते हैं। वैसे तो सर्दियों के मौसम में यह स्थल बर्फ से ढंका रहता है इसलिए यहां सैलानियों की संख्या कम ही रहती है। लेकिन यदि आप अभी युवा हैं और अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की योजना बना रहे हैं, तो आप सर्दियों में गंगोत्री जरूर जाइए। यहां के लोगों का भी कहना है कि सर्दियों में यहां युवा सैलानियों की संख्या अधिक रहती है तो अन्य मौसम में सामान्य तीर्थयात्रियों की। यहां के दर्शनीय स्थलों में गंगोत्री मंदिर, नंदनवन, तपोवन, मनेरी, गंगनानी और गोमुख के साथ ही केदारताल आदि प्रमुख हैं। वैसे इन सबकी यात्रा करने से पहले आइए आपको लिए चलते हैं हरसिल। यह स्थल स्वादिष्ट सेबों और अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर पर्यटन विश्रामगृह के साथ ही लोक निर्माण विभाग का विश्रामगृह एवं विल्सन काटेज भी मौजूद है जिसमें सैलानी आराम फरमा सकते हैं।

पैरों में होता है अक्सर दर्द तो इन तरीकों का करें इस्तेमाल, जल्द मिलेगा आराम

पैर का दर्द एक आम समस्या है जो अक्सर आपकी गतिशीलता बाधा पैदा करती है और चलने में कठिनाई का कारण बनती है और इस प्रकार आपकी दैनिक गतिविधियों में बाधा पैदा होती है। इसलिए किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपने पैर की अच्छी देखभाल करना महत्वपूर्ण होता है।

पैर दर्द के लिए प्रथम उपचारः हाल ही में लगी चोट, आघात, या गठिया की वजह से पैर के दर्द को सबसे पहले राइस (ंर्छ्) तकनीक से इलाज किया जाना चाहिए, जिसका मतलब है - रेस्ट, आइस, कॉम्प्रेशन और एलिवेशन है। इस नियम का प्रत्येक स्टेप दर्द के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करता है ताकि तत्काल राहत प्रदान की जा सके और आगे की क्षति को रोका जा सके। **आराम करेंः** जब आपका पैर दर्द कर रहा हो तो आपको सबसे पहले जो काम करना है वह यह कि पैरों को आराम दें ताकि नुकसान न हो। किसी भी ऐसी गतिविधि से बचें जो पैर पर दबाव डालती है या दर्द को कई दिनों तक बढ़ाती हो। **बर्फ की सेंकाईः** आइस पैक लगाने से आपके पैर में अस्थायी रूप से नसें सुनन्‍ हो जाती है और आपको कम दर्द महसूस हो सकता है। पैर के प्रभावित हिस्से पर एक तौलिया रखें और सूजन और दर्द को कम करने में मदद करने के लिए लगभग 20 मिनट के लिए उस पर बर्फ लगाएं। **कॉम्प्रेशनः** पैर पर हल्का दबाव बनाते हुए इसके चारों ओर एक पट्टी बांधने से प्रभावित स्थान पर रक्त और अन्य तरल पदार्थों के जमाव को कम करने में मदद मिल सकती है। सुनिश्चित करें कि पट्टी टाइट हो लेकिन बहुत ज्यादा नहीं।

एलिवेशनः हृदय के लेवल तक पैर ऊपर उठाने से रक्त और अन्य तरल पदार्थों का प्रवाह निचले हिस्से तक कम हो जाता है और इस तरह चोट का एहसास कम हो जाता है और सूजन भी काफी हद तक कम हो जाती है। **घरेलू उपचारः** पैरों के दर्द या किसी भी संबंधित समस्या को कम करने या रोकने के लिए अपने पैरों की उचित देखभाल करना आवश्यक है। **1. अपने पैर की मालिश करेंः** मालिश करने से सर्कुलेशन में सुधार और दर्द को कम करने में मदद मिलती है। एक अध्ययन में पाया गया है कि पैर की मालिश करने से पोस्टऑपरेटिव दर्द और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौर से गुजरने वाले रोगियों को राहत मिलती है। **2. अपना वजन कम करेंः** अतिरिक्त वजन आपके पैरों पर अतिरिक्त तनाव डालता है। इसलिए कुछ वजन कम करने से दबाव और दर्द से राहत मिल सकती है। **3. व्यायाम करेंः** व्यायाम आपके पैरों और निचले छोरों को मजबूत करने में मदद करता है। यदि आप व्यायाम करते समय दर्द का अनुभव

करते हैं तो आप बिना भार वाली एक्सरसाइज, जैसे कि तैराकी करने की कोशिश कर सकते हैं। **4. अपने फुटवियर पर ध्यान देंः** आरामदायक और चौड़े पैर के पंजे वाले जूते पहनें जो आर्च सपोर्ट और उचित कुशनिंग के साथ हों। चलने के लिए सनीकर्स का उपयोग करें और अपने चलने वाले जूते को अक्सर बदलते रहें। **5. अपने पैरों को साफ रखेंः** अपने पैरों को नियमित रूप से धोएं और नाखूनों, संक्रमण और अन्य पॉइंट्स की जाँच करें। **6. अपने पैरों को मॉइस्चराइज करेंः** कॉर्न्स को रोकने के लिए अपने पैरों को धोने के बाद लोशन या क्रीम लगाएं। शुष्क सदिर्यों के महीनों के दौरान आपको दिन में कई बार अपने पैरों को मॉइस्चराइज करने की आवश्यकता हो सकती है। **7. ठीक से चलनाः** पैर की समस्याएं चलने और अन्य गतिविधियों में कठिनाई पैदा कर सकती हैं, लेकिन आगे के जोड़, पैर या पीठ की समस्याओं को रोकने के लिए अपने पोस्चर और चाल को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। **8. अपने पैरों को एप्सम नमक के पानी में भिगोएंः** एप्सम नमक को एक प्राकृतिक मांसपेशी आराम और एनाल्जेसिक के रूप में माना गया है। पैर सनन को और भी प्रभावी बनाने के लिए गर्म पानी का उपयोग करें जो आपकी त्वचा के छिद्रों को खोलने, तंग मांसपेशियों को ढीला करने और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक टब या बाल्टी में गर्म पानी में एप्सम नमक के 1 या 2 कप मिलाएं और इसमें अपने पैरों को लगभग 15 मिनट तक डुबोकर रखें।

कीजिए बौडी की सर्विसिंग

आधुनिक जीवनशैली, व्यस्त जिंदगी और बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण ने लोगों के स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित किया है और हमारे शरीर में टौक्सिन की मौजूदगी को बढ़ा दिया है।। आज के समय में हर कोई हैल्दी रहना चाहता है। वैसे नैक्स्ट जैनरेशन के बीच हैल्दी रहने के लिए डिटौक्सीफिकेशन एक हौट ट्रीटमैंट है। शरीर को सेहतमंद रखने के लिए डाइट कंट्रोल, पर्याप्त पानी, आराम और शुद्ध हवा आवश्यक है। इस में फिजिकल मैंटल और इमोशनल फैक्टर काम करते हैं और इस के लिए जरूरी है डिटौक्सीफिकेशन। यानी शरीर को चुस्तदुरुस्त और तरोताजा रखने की प्रक्रिया। कुछ लक्षण हैं जिन पर नजर रख कर आप पहचान सकते हैं कि आप को डिटौक्सीफिकेशन की जरूरत है, लेकिन इस से पहले जानें कि डिटौक्सीफिकेशन है क्या? इस बारे में बता रही हैं। फोर्टिस ग्रुप औफ हौस्पिटल, नई दिल्ली में वैलनैस एंड न्यूट्रीशियन कंसलटैंट डा। सिमरन सैनी। **डिटौक्सीफिकेशन है क्या :** डिटौक्सीफिकेशन आप को बीमारियों से बचाता है, यह शरीर के आंतरिक तंत्र को भोजन में मौजूद विषैले और दूसरे हानिकारक रसायनों से मुक्त करता है और आप के स्वास्थ्य को बनाए रखने की क्षमता को पुर्नजीवित करता है साथ ही बौडी के हीलिंग सिस्टम को बेहतर बनाता है। डिटौक्सीफिकेशन के लक्षण पाचन तंत्र संबंधी समस्या जब सिरदर्द, बदन दर्द, थकान और कमजोरी महसूस हो। हार्मोन संबंधी (मूड स्विंग) किसी काम में ध्यान न लगना वजन नियंत्रण में समस्या होना **यह कब होता हैः** जब अनहेल्दी डाइट, कब्ज, तनाव, दूषित पानी पीने, वातावरण में मौजूद विषैले तत्त्व श्वास के साथ शरीर में पहुंचने और चायकौफी या अल्कोहल का अधिक सेवन करने से शरीर में विषाक्त तत्त्वों का स्तर बढ़ने लगता है। ऐसे में शरीर का डिटौक्सीफिकेशन यानी विषय दूर करना जरूरी होता है। शरीर में विषाक्त तत्त्वों का स्तर बढ़ने से शारीरिक तंत्र गड़बड़ाने लगता है।

जीवन को प्रभावित करती हैं दिशाएँ, इसलिए रखें खास ध्यान

वास्तु शास्त्र में दिशाएं हमारे जीवन को किस तरह प्रभावित करती हैं इसे इस बात से समझा जा सकता है कि जो कुछ भी आपके जीवन में घटित हो रहा है उसका संबंध किसी न किसी दिशा से है। और उसका प्रभाव तब देखने को मिलता है जब आपको समस्या होती है और समस्या से संबंधित दिशा में ठीक आप वही चीज पाते हैं। जैसे ही आप उसे वहां से हटा देते हैं तो आपके जीवन में वह समस्या दूर हो जाती है। उत्तर दिशा धन, खजाना, नए अवसर की दिशा है। खजाने का अर्थ है- वह वस्तु जो धन, नकद में परिवर्तित हो सके। अग्नि कोण (दक्षिण-पूर्व दिशा) से नकद कैश आता है पर उस कैश, धन को लाने का माध्यम उत्तर दिशा है। आप जो भी करते है उसके बदले आपको धन मिलता है। धन में परिवर्तित करने की जो शक्ति है वो इस उत्तर दिशा से आती है। प्रत्येक व्यक्ति को कुदरत ने कोई न कोई क्षमता देकर भेजा है बस उस व्यक्ति को पहचानने की जरूरत है। मेरी कौन सी क्षमता है, मेरे अंदर क्या क्षमता है जो धन में परिवर्तित हो सकती है। नीले रंग का संबंध उत्तर दिशा से है और लाल रंग दक्षिण पूर्व दिशा से है। इन दोनों दिशाओं का आपस में जुड़ाव है क्योंकि एक धन आने का साधन दे रहा है तो दूसरा धन हाथ में होने का साधन दे रहा है आपको जब भी कुछ नए अवसर प्राप्त करने की इच्छा हो या नए अवसरों से आप लाभ नहीं ले पा रहे हों तो सबसे पहले इस दिशा को ठीक करना चाहिए। यदि यह दिशा असंतुलित है तो पैसे की कमी बनी रहेगी और आप अपनी क्षमताओं के अनुसार रिजल्ट प्राप्त नहीं कर सकेंगे।

सूर्यकुमार यादव का टी20 रैंकिंग में जलवा बरकरार आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्जा

दुबई। भारत के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे सूर्यकुमार 906 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उन्हें दूसरे स्थान पर मौजूद पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (798) पर 100 से भी अधिक अंक की बढ़त हासिल है। शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार ने 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। पूर्व कप्तान विराट कोहली 15वें स्थान के साथ बल्लेबाजों की सूची में अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं। वह भी अपनी पिछली रैंकिंग पर बरकरार हैं। गेंदबाजों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 14वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक स्थान के नुकसान से 19वें पायदान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

हारिस राउफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 10 विकेट के साथ शादाब खान को पछाड़कर पाकिस्तान के शीर्ष गेंदबाज बन गए हैं। उनके 906 अंक हैं। राउफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 श्रृंखला में लगातार दो मैच में चार-चार विकेट चटकाए। राउफ को पांच स्थान का फायदा हुआ है और वह 11वें पायदान पर हैं। इस बीच ईश सोढी (620) और शाहीन शाह अफरीदी (624) भी गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं। टेस्ट प्रारूप में श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने 13 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 10 विकेट की बदौलत वह शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। जयसूर्या के नाम करियर के सर्वश्रेष्ठ 669 अंक हैं और वह टेस्ट प्रारूप में श्रीलंका के शीर्ष गेंदबाज बन गए हैं। आयरलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट चटकाने वाले स्पिनर रमेश मेंडिस (576) को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है और वह 32वें स्थान पर हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों के साथ हुई अवांछित घटना, चोरी हो गई किट्स

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के साथ एयरपोर्ट पर बड़ी घटना घटी है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 15 अप्रैल को खेले गए मुकाबले के बाद दिल्ली की टीम के साथ एयरपोर्ट पर ऐसी घटना घटी है जिसकी कल्पना करना मुमकिन नहीं है। दिल्ली लौटने के दौरान एयरपोर्ट पर टीम के कई खिलाड़ियों के बैट, पैड और अन्य क्रिकेट उपकरण खो जाने के बाद उनके बैग से सामान चोरी हो गया। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि खिलाड़ियों को इसके बारे में एक दिन बाद पता चला क्योंकि कार्गो से किट बैग एक दिन बाद आए। दिल्ली लौटने के दौरान एयरपोर्ट पर टीम के कई खिलाड़ियों के बैट, पैड और अन्य क्रिकेट उपकरण खो जाने के बाद उनके बैग से सामान चोरी हो गया। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि खिलाड़ियों को इसके बारे में एक दिन बाद पता चला क्योंकि कार्गो से किट बैग एक दिन बाद आए। जानकारी के मुताबिक जो किट्स चोरी हुई है उनमें से कई खिलाड़ियों ने अपने बल्लों को खो दिया है। माना जा रहा है कि इसमें डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श, फिल सॉल्ट, यश ढुल समेत कई खिलाड़ियों के बल्ले खोए हैं। इसके अलावा पैड, जूते, थाई पैड, ग्लव्स आदि भी किट में से गायब मिले है। विशेष रूप से, दिल्ली की राजधानियाँ आईपीएल 2023 की अंक तालिका में सबसे नीचे स्थान पर हैं। उन्होंने अब तक अपने सभी पांच मैच गंवाए हैं।

आईपीएल मैच के दौरान बच्चे ने कर दी विराट और अनुष्का की बेटी के साथ डेट पर जाने की गुजारिश

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में खेले जा रहे मुकाबलों में स्टेडियम में फैंस कई तरह के शानदार और अनोखे पोस्टर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के लिए लिखकर आते है। इनमें से कुछ पोस्टर इतने रोचक होते हैं जो काफी चर्चा में आ जाते है। ऐसा ही एक पोस्टर इन दिनों रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम के बीच खेले गए मुकाबले में देखने को मिला।

इस मुकाबले में जहां 400 से अधिक रन बनें मगर बैंगलोर की टीम ने चेन्नई को आठ रनों से मात देने में सफलता हासिल की। इस मुकाबले के दौरान एक ऐसा पोस्टर देखने को मिला जो काफी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल ये पोस्टर के बहुत ही छोटा बच्चे लेकर खड़ा था जिसमें उसने विराट कोहली से कुछ रिक्वेस्ट की थी।

दरअसल मैच के दौरान एक फैन जो ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला देखने आया था। उम्र में बेहद छोटा ये नन्हा फैन हाथ में एक खास पोस्टर लिए हुए था, जिसमें विराट कोहली के लिए खास मैसेज लिखा था। इस फैन ने विराट कोहली के लिए नहीं बल्कि उनकी बेटी वामिका के लिए खास मैसेज लिखा था। इस मैसेज को पढ़कर सोशल मीडिया पर काफी हंगामा मचा हुआ है। दरअसल इस दौरान एक छोटा बच्चा पोस्टर पकड़ कर स्टेडियम में मौजूद था। इस पोस्टर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाड़ी विराट कोहली के लिए खास मैसेज लिखा था। इसमें लिखा था कि विराट अंकल, क्या मैं वामिका को डेट पर ले जा सकता हूं? इस पोस्टर का फोटो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है।

गौरतलब है कि विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा अपनी दो वर्षीय बेटी को लेकर काफी संवेदनशील है। दोनों ने अब तक सोशल मीडिया पर उसके चेहरे को अब तक रिवील नहीं किया है। विराट कोहली को कई बार देखा गया है कि वो बस से निकलते समय या एयरपोर्ट से बाहर आते समय भी फोटोग्राफर्स से वामिका की फोटोज़ ना लेने की रिक्वेस्ट करते दिखते है। वहीं स्टेडियम में बच्चे द्वारा दिखाए गए पोस्टर पर अब तक विराट कोहली या अनुष्का शर्मा का कोई बयान सामने नहीं आया है। मगर सोशल मीडिया पर फैंस इसे लेकर काफी कुछ चर्चा कर रहे है। सोशल मीडिया पर कई फैंस को इस तरह वामिका के लिए पोस्टर पर लिखना पसंद नहीं आया है। एक यूजर ने लिखा- माफ करना इसमें मुझे कुछ भी क्यूट नजर नहीं आता है। मैं इस बच्चे के पैरेंट्स को लेकर बुरा फील कर रहा हूं। यह कहीं से भी अच्छी परवरिश नहीं है। इस बच्चे को नहीं पता है कि वह क्या कह रहा है। ऐसे माता-पिता से कुछ सख्ती से निपटने की जरूरत है। एक अन्य फैन ने लिखा- तुम्हारे पिता इससे दो मिनट की अटेंशन तो पा लेंगे, लेकिन यह गलत है।

कार्यालय ग्राम पंचायत डोरिया विकास खण्ड-नगवां,सोनभद्र

पत्रांक/मेमो/ग्राम.पं.टेण्डर/कोटेशन सूचना-2023-24

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डोरिया में वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिला योजना अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य मनरेगा/पंचम राज्य वित्त/पन्द्रवां वित्त एवं एस.एल.डब्लू.एम.व अन्य निधियों के साथ हो आर.जी.एस.ए.द्वारा प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य कराये जाने हेतु व्यापार कर एवं आयकर विभाग में पंजीकृत फर्मों द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर निम्न सामग्री की आपूर्ति करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता या फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 20/04/2023 से दिनांक 27/04/2023 तक पूर्वान्ह 4 बजे तक ग्राम प्रधान /सचिव कार्यालय पर सील बन्द निविदा जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 28/04/2023 को 10 बजे समिति टेण्डरदाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में खोला जायेगा।

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	2	3
1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टर लाकिंग ईंट	प्रति नग
3.	मोटा बालू महीन बालू	प्रति घनमीटर
4.	मोंरग	प्रति घनमीटर
5.	सीमेंट	प्रति बोरी
6.	गिट्टी सोलिंक 40-90	घनमीटर
7.	डाला गिट्टी	सभी साइज प्रति घन मीटर
8.	सरिया	प्रति कुन्तल
9.	हैण्डपम्प /रिबोर सामग्री	प्रति नग
10.	जे.सी.बी./कम्प्रेसर/मेच्चर मशीन/रोलर	प्रति घण्टा
11.	ट्रेक्टर द्वारा मिट्टी ढुलाई	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोक 6.9 इंच	प्रति नग
13.	हयूम पाईप	प्रति रन मीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तागाडी, पन्नी	-
15.	स्ट्रीट लाइट/वायरिंग सामग्री, सोलर लाइट पैनल सहित	प्रति नग
16.	शौचालय सामग्री, दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रति नग
17.	टाइल्स प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिटेम्पर, प्राइमर, डी.पी.सी. पाउडर, कोटा स्टोन आदि	-
18.	पानी ट्रैंकर/समरसेबुल	अद्द
19.	लोहे का दरवाजा/इलुमिनियम का दरवाजा	कुन्तल/अद्द
20.	स्टोन डस्ट	प्रति घनमीटर
21.	बोल्डर, पटिया गाटर	-
22.	डी.एम.एफ स्कूल कायाकल्प हेतु	-
23.	कोविड 19 सामान व उपकरण की आपूर्ति	-
24.	इत्यादि सामग्री ग्राम पंचायत में आवश्यकतानुसार	-

प्रतिबंध एवं शर्तें

1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए।
2. कार्य विवरण एवं सामग्री के सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामग्री के आपूर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी। जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्त हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। खराब आपूर्ति की दशा व समय पर आपूर्ति न होने पर जमानत राशि जब्त करते हुए टेंडर निरस्त कर दिया जायेगा।
3. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
4. बिना करण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
5. सामग्री र्का कार्य स्थल तक पहुचाने की जिम्मेदारी सप्लायर की होगी।
6. अनुबन्ध स्वीकृत होने के पश्चात दर संशोधित होने तक अथवा एक माह के अन्दर आपूर्ति करना अनिवार्य है।
7. निविदा फार्म का मूल्य 1000/रू. मात्र।

ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत
वि.ख.नगवाँ-सोनभद्र

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
वि.ख.नगवाँ-सोनभद्र

सम्पादकीय

फिर वही झगड़ा

देशभर में कोविज-19 के मामलों में तेजी से उछाल देखा जा रहा है। शुक्रवार को देश में कोरोना के 6 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की है। देश में कोरोना वायरस का प्रभाव कम जरूर हो गया है, अपना जैसा व्यापक और खतरनाक रूप यह दिखा चुका है उस मुकाबले अभी स्थिति बहुत बेहतर है। यह बात भी सही है कि फिलहाल इसके उस रूप में वापसी के कोई आसार नहीं लगते। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। सचाई यह है कि छोटे स्तर पर ही सही, मगर इस वायरस का खेल अभी भी चल ही रहा है। इसका नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है। हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। गुरुवार को देश भर में 24 घंटे के अंदर 5,335 नए मामले दर्ज हुए, जो पिछले 195 दिनों में 24 घंटे की अवधि में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। इसके अगले दिन शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 6050 हो गई। जाहिर है, वायरस के प्रसार में आई इस तेजी की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि यह संख्या भी खतरनाक नहीं कही जा सकती। यह बात भी सही है कि वायरस का नया वेरिएंट वैसा मारक नहीं है। इससे संक्रमित होने के बाद सामान्य मरीज को बुखार होता है, जो धीरे-धीरे चढ़ता है, सिरदर्द, बेचैनी और गले में तकलीफ भी होती है, लेकिन एक-दो दिनों में ही यह ठीक भी हो जाता है। इससे मौत का अनुपात काफी कम है। लेकिन यह फैलता काफी तेजी से है।ष्ट ने भी इस पर नजर रखने की सलाह दी है। अब तक का अनुभव बताता है कि कोरोना वायरस न केवल रूप बदलता है बल्कि अपनी क्षमता में भी इजाफा कर सकता है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता कि इसका जो रूप कम खतरनाक नजर आ रहा है, वही फैल जाने के बाद नए रूप में ज्यादा खतरनाक नहीं हो जाएगा। स्वाभाविक ही, केंद्र सरकार ने इस पर कड़ी नजर बनाए रखी है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में ताजा हालात के साथ संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। कई राज्य सरकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने को लेकर नए निर्देश भी जारी किए हैं। जहां तक आम लोगों की बात है तो फिलहाल किसी तरह की घबराहट की कोई बात नहीं है। लेकिन बुजुर्गों और किसी तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। और हां, जिन लोगों ने वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज नहीं ली है, वे जितनी जल्दी ले लें उतना बेहतर। आखिर इस अनदेखे दुश्मन से निपटने का सबसे कारगर हथियार लोगों की सावधानी ही साबित हुआ है।

कोरोना को हल्के में लेना बड़ा नुकसान पहुँचा सकता है, पूर्व के अनुभवों से सीख लेनी चाहिए

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

कोरोना की दहशत ने एक बार फिर कोरोना प्रोटोकाल की पालना के प्रति गंभीर होने के लिए चेता दिया है। ऐसे में कोरोना प्रोटोकाल को लागू करने या लोगों को पालना के प्रति सचेत करने का समय आ गया है। यह इसलिए भी जरूरी हो गया है कि देश में कोरोना प्रोटोकाल की पालना लगभग नहीं की स्थिति में पहुंच गई है तो लोगों की गंभीरता भी नहीं रही है। देश में एक तरफ जहां दिन प्रतिदिन कोरोना के मामलों में उछाल आता जा रहा हैं वहीं कोरोना प्रोटोकाल की पालना करीब करीब समाप्त हो चुकी है। पिछले दिनों में औसतन प्रतिदिन देश में पांच हजार से अधिक कोरोना पोजिटिव मरीज आ रहे हैं और कोरोना के कारण भले ही कम हो, पर मौत के मामले भी आने लगे हैं। एक सप्ताह में ही कोरोना के कारण 68 मौत के समाचार हैं। हालांकि केन्द्र व राज्य सरकारें सजग तो होने लगी हैं व 10 और 11 अप्रैल को समूचे देश में दो दिन की मॉक ड्रिल कर कोरोना से निपटने की तैयारियों या यों कहें कि दवाओं व संसाधनों की उपलब्धता को जांचा परखा जा सके। पर जिस तरह से देश के पांच राज्यों में कोरोना मामलों की बढ़ोतरी ने चिंता में डाल दिया है उसे देखते हुए सतर्कता और सजगता जरूरी हो गयी है। लगभग समूची दुनिया में यह माना जा चुका है कि कोरोना से बचाव के लिए कोरोना प्रोटोकाल की पालना एक कारगर माध्यम है। आज हम मास्क पहनना भूल गए हैं तो सैनेटाइजर का उपयोग भी लगभग बंद ही हो गया है। इसी तरह से दो गज की दूरी की बात भी इन दिनों तो बेमानी हो चुकी है। मास्क के उपयोग को लेकर पिछले दिनों लोकल सर्कल द्वारा कराए गए सर्वे ने तो चिंता में ही डाल दिया है। सर्वे में सामने आया है कि केवल और केवल 6 प्रतिशत लोग ही मास्क के प्रति थोड़े गंभीर दिख रहे हैं। यानी की 6 प्रतिशत लोग ही मास्क का उपयोग कर रहे हैं। हालात तो यह हैं कि कोरोना तो दूर वायरस जनित बीमारियों के फैलाव के बावजूद देश के किसी भी क्षेत्र के किसी भी अस्पताल में चल जाएं कोई

इक्के दुक्के लोग ही मास्क लगाए हुए दिखाई देते हैं। यह तो अस्पतालों के हालात हैं जहां बीमार या उनके तीमारदार ही जाते हैं। ऐसे में यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। बाजार, सार्वजनिक परिवहन साधनों, मॉल्स, सिनेमागृहों, राजनीतिक रैलियों, धार्मिक स्थलों आदि पर खोजने से भी मास्क लगाए कोई लोग नहीं दिखते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण के नए मामलों के आना चिंता का सबब बन ही जाता है। खासतौर से केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और तमिलनाडु में जिस तरह से कोरोना संक्रमण का अधिक फैलाव देखा जा रहा है यह चिंतनीय है। दरअसल कोरोना काल के अनुभव आज भी रूह कंपा देने के लिए काफी है। लंबा लॉकडाउन, सब कुछ बंद, प्रवासी श्रमिकों की हाईवे पर रेला, वेंटिलेटरों और ऑक्सिजन बेड की तलाश में भटकते लोगों और कोरोना संक्रमण से मौत के ग्रास बनते लोगों के चित्र आंखों के समाने घूमने लगते हैं तो सिहर जाते हैं। दवाओं की कमी, दवाओं की अनुपलब्धता और ऑक्सीजन की कमी को भूले नहीं हैं। ऐसे में कोरोना काल के अनुभवों को देखते हुए इन दिनों बढ़ते कोरोना संक्रमण को हल्के से लेने की भूल नहीं करनी होगी। सरकार को जनहित में जहां जागरूकता अभियान तो चला ही देना ही चाहिए वहीं सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने की अनिवार्यता सख्ती से लागू करने की पहल कर देनी चाहिए। खासतौर से चिकित्सालयों में तो सख्ती से पालना होनी ही चाहिए। इसी तरह से सार्वजनिक स्थानों पर सैनेटाइजर के डिस्पेंसर लगा दिए जाएं तो सरकार के लिए यह कोई महंगा सौदा नहीं होगा। सरकार ही क्यों स्वयं सेवी संस्थाओं और दानदाताओं को भी आगे आकर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सचेत करने का समय आ गया है। केवल सरकार के भरोसे नहीं रहकर सभी सजग लोगों और संस्थाओं को आगे आना चाहिए। यह नहीं भूलना चाहिए कि इन साधनों के उपयोग पर होने वाले खर्च से कई गुणा नुकसान हम लोग व सरकार लॉकडाउन और अन्य कार्यों पर भुगतते रही हैं। सबकुछ बंद हो उससे बेहतर सुरक्षा साधनों के प्रति जागरूकता और सुविधाएं उपलब्ध कराने से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। उद्यमियों को भी आगे आना चाहिए और अपने पास से नहीं अपितु सीएसआर के तहत उपलब्ध राशि से ही इस तरह के कार्यक्रमों का संचालन किया जता है तो यह अच्छी पहल मानी जा सकती है। कोरोना में हमने अपने या अपनों में से लोगों को खोया है। ऐसे में गंभीर हो जाना चाहिए वहीं अस्पतालों को अपनी व्यवस्थाओं को समय रहते चाक चौबंद कर लेना चाहिए।

नीतीश कुमार खुद तो 2004 के बाद से कोई चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं दिखा सके लेकिन राहुल गांधी को 2024 के सपने दिखा रहे हैं

नीरज कुमार दुबे

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मोदी विरोधी महागठबंधन बनाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। नीतीश कुमार दिल्ली आये तो लालू यादव से मिले, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मिले और इन मुलाकातों के बाद पूरा विश्वास जताया कि विपक्ष का ये कारवां मजबूत बनता जायेगा और सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे। नीतीश कुमार के हौसले देखकर ऐसा लग रहा है कि 2024 में बड़ा बदलाव आ जायेगा। लेकिन सवाल उठता है कि नीतीश कुमार की राजनीतिक विश्वसनीयता कितनी बची है? सवाल यह भी उठता है कि नीतीश कुमार का राजनीतिक जनाधार कितना बचा है? हम आपको बता दें कि नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड बिहार विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी है। नीतीश कुमार 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद से कोई चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं दिखा पाये हैं और उसके बाद से विधान परिषद के सदस्य हैं।

2004 में नीतीश कुमार ने दो संसदीय सीटों से चुनाव लड़ा था जिसमें से एक में वह हार गये थे। इसके अलावा नीतीश कुमार ने अपना आखिरी विधानसभा चुनाव 1985 में जीता था। साथ ही यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी गयी जुबान का ही परिणाम था कि नीतीश कुमार साल 2020 में मुख्यमंत्री बन पाये थे जबकि उनकी पार्टी जदयू की सीटें तत्कालीन सहयोगी भाजपा के मुकाबले बेहद कम थीं। दल बदल

की राजनीति का रिकॉर्ड भले अन्य नेताओं के नाम पर हो लेकिन गठबंधन बदल का रिकॉर्ड नीतीश कुमार के नाम पर है। नीतीश कुमार के नाम भले बिहार में सर्वाधिक बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने का रिकॉर्ड हो लेकिन सिर्फ अपने दम पर वह कभी यह पद हासिल नहीं कर सके।

केंद्र में सत्ता बदलने को आतुर दिख रहे नीतीश कुमार के बारे में यह जानना भी रोचक है कि वह देश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनके लगभग डेढ़ दशक के शासन के बावजूद उनका राज्य देश का सबसे पिछड़ा राज्य बना हुआ है। अपने राज्य को आगे बढ़ाने की बजाय नीतीश कुमार केंद्र से हमेशा इस बात के लिए गुहार लगाते रहते हैं कि उनके राज्य को विशेष दर्जा दिया जाये। आज के जमाने में जहां राज्य एक दूसरे से आगे निकलने के प्रयास कर रहे हैं वहीं नीतीश की चाहत है कि बिहार सिर्फ केंद्र की अनुकम्पा पर चलता रहे। जो मुख्यमंत्री लंबे शासन के बावजूद अपने राज्य को पिछड़ेपन से निजात नहीं दिला सका और जनता को सिर्फ जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों में ही उलझाये रहता है, जरा सोचिये यदि वह केंद्र की सत्ता में आ गया या केंद्र की सत्ता में भागीदार बन गया तो देश किस दिशा में चल पड़ेगा?

क्या आज का भारत उस गठबंधन राजनीति के युग में जाना पसंद करेगा जहां प्रधानमंत्री का अधिकांश समय गठबंधन सहयोगियों को मनाने या उनके अनैतिक कार्यों पर आंखें मूंदें रहने में बीतता था। नीतीश कुमार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसी ही आतुरता 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी दिखाई थी। 2019 में मोदी को हटाने के प्रयास में सभी विपक्षी नेताओं को मंच पर लाने के लिए चंद्रबाबू नायडू ने आकाश पाताल एक कर दिया था लेकिन इस दौरान आंध्र प्रदेश में उनके खुद के पैर के नीचे से राजनीतिक जमीन पूरी तरह खिसक गयी थी।

सचिन पायलट के सब्र का जो बाँध टूटा है वह कांग्रेस को बहा कर सत्ता से बाहर कर सकता है

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस ने पिछले साल उदयपुर में चिंतन किया, उसके बाद भारत जोड़ो यात्रा निकाली और इस साल रायपुर में महा अधिवेशन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पार्टी में आमूल चूल सुधार को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कहीं, लेकिन नतीजा शून्य रहा। कांग्रेस नेताओं में उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक पार्टी छोड़ने की जो होड़ लगी है वह दर्शा रही है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली यह पार्टी आजादी के अमृत काल में पतन की ओर बढ़ रही है।

दरअसल कांग्रेस को जिस तरीके से चलाया जा रहा है उससे खिन्न होकर सिर्फ अनुभवी और वरिष्ठ नेता ही नहीं बल्कि युवा भी पार्टी छोड़ रहे हैं। जो वरिष्ठ नेता और युवा अभी कांग्रेस में बचे हुए हैं वह पार्टी में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राजस्थान में कांग्रेस ने सचिन पायलट का जो हाल किया है उसको देखकर ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और हिमंत बिस्व सरमा आदि नेता शुक्र मना रहे होंगे कि सही समय पर कांग्रेस छोड़ दी वरना उन्हें भी ऐसे ही अनशन पर बैठना पड़ रहा होता। सचिन पायलट जो मुद्दे उठा रहे हैं वह सही हैं या गलत, इसकी विवेचना की बजाय यह देखना चाहिए कि कांग्रेस में कैसे युवाओं का हक मारा जाता है।

पिछले विधानसभा चुनावों के समय सचिन पायलट राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे जबकि अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर काम कर रहे थे। सचिन पायलट ने तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ जनमत तैयार कर कांग्रेस को जीत दिलाई लेकिन उनका हक मारकर गहलोत को दिल्ली से जयपुर भेजकर मुख्यमंत्री बना दिया गया। सचिन पायलट ने लगातार अपमानित किये जाने के चलते आवाज उठाई तो उन्हें गद्दार और निकम्मा बता दिया गया। उन्हें बार-बार धैर्य रखने के लिए समझाया जाता रहा लेकिन सब्र का बांध एक दिन टूटता ही है। अब राजस्थान में यह जो बाँध टूटा है उससे इस वर्ष होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस बह कर सत्ता से बाहर जा सकती है।

वैसे बात सिर्फ राजस्थान तक ही सीमित नहीं है, जिस तरह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कैबिनेट मंत्री टीएस सिंहदेव के बीच जंग छिड़ी हुई है वह भी चुनावी वर्ष में कांग्रेस के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकती है। यही नहीं, कर्नाटक में अपने को सत्ता के करीब देख रही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच की वो जंग भी ऐन चुनावों के समय जगजाहिर हो गयी है जिसे कांग्रेस अब तक दबाती आ रही थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को समझना होगा कि नेतृत्व की यह शिथिलता कांग्रेस को पूरी तरह ले डूबेगी।

हिंदुत्व की तरह सावरकर के मुद्दे पर भी ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कर लिया समझौता?

नीरज कुमार दुबे

पूर्व सांसद राहुल गांधी बार बार वीर सावरकर का अपमान किये जा रहे थे। जिसके चलते कांग्रेस से उसकी सहयोगी पार्टी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना नाराज हो गयी। वह कांग्रेस की बैठकों में नहीं गयी। शरद पवार ने समझाया तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने संजय राउत को मिलने के लिए

बुलाया। इस मुलाकात के बाद संजय राउत ने कहा कि अब कोई चिंता की बात नहीं है। संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या वीर सावरकर का अपमान करने के लिए राहुल गांधी ने माफी मांग ली है? संजय राउत को बताना चाहिए कि समझौते के तहत राहुल गांधी वीर सावरकर का अपमान क्या सिर्फ चुनावों तक नहीं करेंगे या उसके बाद भी कभी वह महान स्वतंत्रता सेनानी सावरकर का अपमान नहीं करेंगे? संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस ने यह आश्वासन भी दिया है कि उसकी प्रदेश इकाइयों के जो लोग राहुल गांधी की संसद से अयोग्यता मुद्दे पर प्रदर्शन करते हुए वीर सावरकर का अपमान कर रहे हैं, वह सब भी अब बंद हो जायेगा? संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस पार्टी अपने सोशल मीडिया अकाउंटों से वीर सावरकर के अपमान वाले वीडियो और अन्य पोस्टों को हटायेगी? संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या 'सावरकर नहीं गांधी है' वाला प्रचार अभियान कांग्रेस ने वापस ले लिया है? संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या वीर सावरकर को भारत रत्न की मांग का कांग्रेस अब समर्थन करेगी? संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या अब वीर सावरकर से जुड़े इतिहास को कांग्रेस के नेता पढ़ कर दिखाएंगे?

संजय राउत को बताना चाहिए कि क्या जैसे शिवसेना ने सत्ता में रहते हुए हिंदुत्व के मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाला था उसी तरह एमवीए को बचाने के लिए वीर सावरकर के सम्मान से जुड़े विषय को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है? संजय राउत को बताना चाहिए कि जिस तरह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य लोगों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी में सावरकर की फोटो लगायी है क्या उस तरह का साहस एमवीए के नेता भी दिखाएंगे?

बहरहाल, जो लोग वीडी सावरकर का नाम अनावश्यक रूप से धूमिल कर रहे हैं उनके बारे में यही कहा जा सकता है कि वह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर के अतुलनीय बलिदान से अनजान हैं। देश के नायक और राष्ट्रवादी अत्यंत सम्मान के पात्र हैं इसलिए उनके नाम पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। वीर सावरकर की आलोचना करने वाले लोग यदि स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और निःस्वार्थ बलिदान के बारे में जानेंगे तो निश्चित ही उनकी धारणा में परिवर्तन होगा।

सम्पन्न परिवार में जन्मी थीं कस्तूरबा गांधी,'बा' के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें

अनन्या मिश्रा

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में न सिर्फ पुरुषों ने अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ी, बल्कि आजादी की लड़ाई में महिलाओं ने भी अपना बढ़चढ़ कर योगदान दिया था। इन्हीं महिलाओं में एक महिला थीं कस्तूरबा गांधी। जिन्हें 'बा' के नाम से जाना जाता है। कस्तूरबा गांधी मोहनदास करमचंद गांधी यानि की महत्मा गांधी की पत्नी थीं। कस्तूरबा गांधी ने ही कई मामले में आदर्शों की ऊंचाई हासिल की थी। आज ही के दिन यानी की 11 अप्रैल को कस्तूरबा गांधी का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं उनके बर्थ एनिवर्सिरी के मौके पर उनके जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** पोरबंदर में 11 अप्रैल 1869 को कस्तूरबा गांधी का जन्म हुआ था। कस्तूरबा के पिता गोकुलदास कपाड़िया अनाज कपड़े और कपास के व्यापारी थे। कस्तूरबा गांधी एक संपन्न परिवार में जन्मी थीं। उस जमाने में लड़कियों की शिक्षा को इतना महत्व नहीं दिया जाता था। महज 13 साल की उम्र में ही कस्तूरबा की महात्मा गांधी से शादी कर दी गई थी। दरअसल, गांधी जी के पिता और कस्तूरबा के पिता करीबी दोस्त थे। हालांकि कस्तूरबा गांधी महात्मा गांधी से उम्र में बड़ी थीं। हालांकि बचपन में हुई शादी को जब महात्मा गांधी ने समझा तो वह बाल विरोध के खिलाफ हो गए।

एक-दूसरे को समझने में लगा वक्तः देश की आजादी में कस्तूरबा गांधी का भी अहम योगदान था। वह अपने पति यानी की महात्मा

गांधी के साथ हर समय मजबूती से खड़ी रहीं। हालांकि उनकी कई मुद्दों पर बहस हो जाया करती थी। बचपन में विवाह होने के कारण दोनों को वैवाहिक मामले में परिपक्व होने में समय लगा। शुरूआत में तो शादी उनके लिए खेल थी। पहले तो वह दोस्त बन गए लेकिन बाद में जिम्मेदारियों को समझने में दोनों को ही काफी समय लगा। गांधी जी ने अपनी आत्मकथा में भी लिखा है कि वह शुरूआत में कस्तूरबा की ओर आकर्षित महसूस करते थे।

कस्तूरबा को शिक्षित करने का फैसलाः महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि वह स्कूल में भी कस्तूरबा के बारे में सोचते रहते थे। हालांकि गांधीजी को यह बात काफी चुभती थी कि कस्तूरबा गांधी पढ़ी-लिखी नहीं थीं। इसलिए उन्होंने खुद ही उन्हें पढ़ाने का जिम्मा उठाया। लेकिन कई जिम्मेदारियों के कारण 'बा' का मन पढ़ाई में नहीं लगता था। जिसके कारण दोनों को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में समय लगा।

गांधीजी के साथ कस्तूरबा का जीवनः साल 1888 तक महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी साथ ही रहे। लेकिन जब गांधी जी इंग्लैंड से भारत लौटकर आए। इसके बाद दोनों करीब 12 सालों कर एक-दूसरे से अलग रहे। इसके बाद गांधी जी को अफ्रीका जाना पड़ा था। वहीं साल 1896 में वह भारत लौट आए और बा को भी अपने साथ लेकर चले गए। इसके बाद से वह भी गांधी जी के साथ रहने लगे थे। कस्तूरबा ने हर फैसले में महात्मा गांधी का साथ देना अपना परम कर्तव्य माना था।

भारतियों की दशा के विरोध में दक्षिण अप्रीका में विरोध शुरू हो गया था। जब कस्तूरबा इस आंदोलन में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनको 3 महीने के लिए गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। वहीं साल 1915 में वह गांधी जी के साथ भारत वापस लौट आई। इस दौरान उन्होंने चंपारण सत्याग्रह के दौरान लोगों को अनुशासन, सफाई और पढ़ाई आदि के बारे में लोगों को जागरुक किया था। कस्तूरबा गांधी ने गांव-गांव में घूमकर लोगों को दवाइयां वितरित की थीं।

साल 1922 में जब महात्मा गांधी को गिरफ्तार किया गया था तो कस्तूरबा ने गुजरात के गांवों में घूम-घूमकर गांवों का दौरा करने लगी थीं। अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण साल 1932-33 में उनका अधिकतर समय जेल में गुजरा था। राजकोट रियासत के राजा के विरोध में भी साल 1939 में कस्तूरबा गांधी ने सत्याग्रह में भाग लिया।

निधनः अपने कार्यों से लोगों के बीच 'बा' के नाम से फेमस हुईं कस्तूरबा गांधी को दो बार दिल का दौरा पड़ा था। उनके इलाज के लिए सरकार ने आयुर्वेद के डॉक्टर का प्रबंध किया गया। हालांकि इस दौरान उन्हें कुछ समय के लिए आराम मिला था। लेकिन 22 फरवरी 1944 को एक बार फिर दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई।

सबरीमला के पास हवाई अड्डे की मंजूरी आध्यात्मिक पर्यटन के लिए बड़ी खबरःप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोट्टायम में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना के लिए नागरिक

उड्डयन मंत्रालय की स्थान संबंधी मंजूरी का मंगलवार को स्वागत किया और इसे ''आध्यात्मिक पर्यटन के लिए बड़ी खबर'' करार दिया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 13 अप्रैल को केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (केएसआईडीसी) को सबरीमला में प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर के पास हवाई अड्डे के लिए स्थान संबंधी मंजूरी के बारे में सूचित किया था।

मंत्रालय ने केएसआईडीसी से एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए आगे बढ़ने और इसे आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन के वास्ते आवेदन के साथ भेजने के लिए भी कहा। इसके बाद, मंत्रालय ने ट्वीट किया, ''परियोजना प्रस्तावक - केएसआईडीसी/केरल सरकार के साथ कई दौर की बातचीत के बाद, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कोट्टायम (सबरीमला) में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना के लिए स्थान संबंधी मंजूरी दे दी है जो क्षेत्र में संपर्क और विकास को बढ़ावा देगी।''

मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा, ''कोट्टायम ग्रीनफ़ील्ड हवाई अड्डा परियोजना को लगभग 2250 एकड़ भूमि पर विकसित करने का प्रस्ताव है और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में लगभग 4000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर परियोजना शुरू करने का इरादा रखता है।''

घटनाक्रम पर मोदी ने ट्वीट किया, ''पर्यटन और विशेष रूप से आध्यात्मिक पर्यटन के लिए बहुत अच्छी खबर है।'' पिछले हफ्ते, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा था कि आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद सबरीमला में एक नया हवाई अड्डा बनाने के लिए जमीनी कार्य शुरू हो गया है। नवंबर-दिसंबर में दो महीने की वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान, लाखों तीर्थयात्री देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से भी मंदिर आते हैं। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा था कि 2022 में लगभग 30 लाख तीर्थयात्री मंदिर आए।

कर्नाटक सीएम बोम्मई के लिए नड्डा ने किया रोड-शो, अभिनेता किच्चा सुदीप भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव को लेकर नामांकन का दौर जारी है। आज मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई अपना नामांकन कर रहे हैं। भाजपा ने बोम्मई को शिगगांव से टिकट दिया है। इसी को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत दिखाई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप और अन्य भाजपा नेताओं ने शिगगांव में रोड शो किया। इस दौरान लोगों का जबरदस्त हुजूम देखने को मिला। इससे पहले अभिनेता किच्चा सुदीप ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। उनके भाजपा में शामिलव होने की अटकलें जोरों पर हैं।

शिगगांव में कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई ने कहा कि मैं यहां अपने पिता को समर्थन करने आया हूं क्योंकि उनके पास राज्य की बड़ी जिम्मेदारी है और मेरी जिम्मेदारी उनका निर्वाचन क्षेत्र है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दूसरे नंबर पर मौजूद है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी भी स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद हैं।

अंटार्कटिका में पांचवां रिसर्च बेस बना रहा चीन खौफ में पश्चिमी देश, जासूसी का है खतरा

बीजिंग। चीन अंटार्कटिका में अपना पांचवा रिसर्च बेस बना रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात का खुलासा हुआ है। चीन की तरफ से बड़े स्तर पर निर्माण कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की एक रिपोर्ट के अनुसार, निर्माण में कई वर्षों की सुस्ती के बाद चीन अंटार्कटिका में देश का पांचवा रिसर्च बेस का निर्माण कर रहा है। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक ने जारी एक रिपोर्ट में कहा कि 2018 में निर्माण शुरू होने के बाद कई वर्षों की निष्क्रियता के बाद साइट पर काम में तेजी नजर आ रही है। ये निष्कर्ष मैक्सर द्वारा हाल के महीनों में कैप्टर की गई उपग्रह इमेजरी पर आधारित थे। पश्चिमी देशों को डर है कि

बीजिंग आर्कटिक के लिए नए शिपिंग मार्ग विकसित करने का ढोंग कर रहा है। वहीं वो अपनी जासूसी क्षमताओं को बढ़ाने की कोशिश में लगा है। सीएसआईएस के मुताबिक देश के खुफिया संग्रह को बढ़ाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वैसे महाद्वीप में अपनी उपस्थिति और अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करने में चीन अकेला नहीं है, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया सहित कई देश अनुसंधान केंद्र संचालित हैं। लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बढ़ती शक्ति प्रतिस्पर्धा और बीजिंग की मुखर विदेश नीति और निगरानी क्षमताओं के बारे में पश्चिमी चिंताओं के बीच चीन की सुविधाओं के संभावित दोहरे उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने करीब एक दशक पहले पहली बार दक्षिणी गोलार्ध को 'समझने, संरक्षित करने और इस्तेमाल करने' की अपनी योजनाओं का खुलासा किया था। तब से यह चीन के ध्रुवीय निर्माणों का स्लोगन बन गया क्योंकि चीन अपने चार मौजूदा रिसर्च बेस पर लगातार विस्तार कर रहा है।

हमसे लड़ना बंद करो वरना... पाक पुलिस को तालिबान ने वीडियो जारी कर धमकाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 12 साल पहले अमेरिका की विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अपने घर के पीछे पड़ोसियों के लिए सांप मत पालो। एक दिन ये सांप तुम्हें ही डसेगा। लेकिन तब पाकिस्तान को आंतक फैलाना था। अब पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है कि उसका पाला हुआ सांप उसे ही डस रहा है। उस सांप का नाम है तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी जो इन दिनों पाकिस्तान के लिए सिर दर्द बना हुआ है। पाकिस्तान वैसे तो आतंकियों का सबसे महफूज पनाहगाह है, इस बात से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। हाल ही में आतंकी संगठन टीटीपी ने एक वीडियो जारी किया है और इसके जरिए पाकिस्तान को चेतावनी भी दे डाली है। पाकिस्तानी तालिबान ने बिगड़ती सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के बीच आतंकवादी समूह से लड़ना जारी रखने पर देश की पुलिस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। एक वीडियो संदेश में टीटीपी ने पुलिस से आतंकवाद के खिलाफ युद्ध बंद करने और पुलिस बल प्रयोग को छोड़ने की मांग की है। पाक पुलिस को भेजे वीडियो संदेश में टीटीपी ने पुलिसकर्मी से युद्ध से दूर रहने को कहा है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पनिकपखुर्द विकास खण्ड-नगवां,सोनभद्र

पत्रांक/मेमो/ग्राम.पं.टेण्डर/कोटेशन सूचना-2023-24

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पनिकपखुर्द में वित्तीय वर्ष 2023-24 में जिला योजना अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य मनरेगा/पंचम राज्य वित्त/पन्द्रवां वित्त एवं एस.एल.डब्लू.एम.व अन्य निधियों के साथ ही आर.जी.एस.ए.द्वारा प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य कराये जाने हेतु व्यापार कर एवं आयकर विभाग में पंजीकृत फर्मों द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर निम्न सामग्री की आपूर्ति करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता या फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 20/04/2023 से दिनांक 27/04/2023 तक पूर्वान्ह 4 बजे तक ग्राम प्रधान /सचिव कार्यालय पर सील बन्द निविदा जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 28/04/2023 को 11 बजे समिति टेण्डरदाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में खोला जायेगा।

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	2	3
1.	ईट प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार
2.	इण्टर लाकिंग ईंट	प्रति नग
3.	मोटा बालू महीन बालू	प्रति घनमीटर
4.	मोंरग	प्रति घनमीटर
5.	सीमेंट	प्रति बोरी
6.	गिट्टी सोलिंक 40-90	घनमीटर
7.	डाला गिट्टी	सभी साइज प्रति घन मीटर
8.	सरिया	प्रति कुन्तल
9.	हैण्डपम्प /रिबोर सामग्री	प्रति नग
10.	जे.सी.बी./कम्प्रेसर/मेच्चर मशीन/रोलर	प्रति घण्टा
11.	ट्रेक्टर द्वारा मिट्टी ढुलाई	प्रति ट्रैक्टर
12.	बोल्डर ढोक 6.9 इंच	प्रति नग
13.	हयूम पाईप	प्रति रन मीटर
14.	फावड़ा, गोइता, तागाडी, पन्नी	-
15.	स्ट्रीट लाइट/वायरिंग सामग्री, सोलर लाइट पैनल सहित	प्रति नग
16.	शौचालय सामग्री, दरवाजा, सीट, पत्थर	प्रति नग
17.	टाइल्स प्लास्टिक सीट, पेन्ट, डिटेम्पर, प्राइमर, डी.पी.सी. पाउडर, कोटा स्टोन आदि	-
18.	पानी ट्रैंकर/समरसेबुल	अद्द
19.	लोहे का दरवाजा/इलुमिनियम का दरवाजा	कुन्तल/अद्द
20.	स्टोन डस्ट	प्रति घनमीटर
21.	बोल्डर, पटिया गाटर	-
22.	डी.एम.एफ स्कूल कायाकल्प हेतु	-
23.	कोविड 19 सामान व उपकरण की आपूर्ति	-
24.	इत्यादि सामग्री ग्राम पंचायत में आवश्यकतानुसार	-

प्रतिबंध एवं शर्तें

1. निविदा में सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए।
2. कार्य विवरण एवं सामग्री से सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। सामग्री के आपूर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी। जमानत धनराशि व अन्य जानकारी प्राप्त हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। खराब आपूर्ति की दशा व समय पर आपूर्ति न होने पर जमानत राशि जब्त करते हुए टेंडर निरस्त कर दिया जायेगा।
3. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
4. बिना करण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
5. सामग्री कर्ा कार्य स्थल तक पहुचाने की जिम्मेदारी सप्लायर की होगी।
6. अनुबन्ध स्वीकृत होने के पश्चात दर संशोधित होने तक अथवा एक माह के अन्दर आपूर्ति करना अनिवार्य है।
7. निविदा फार्म का मूल्य 1000/रू. मात्र।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत
वि.ख.नगवाँ-सोनभद्र

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत
वि.ख.नगवाँ-सोनभद्र

भारतीय अभिनेता है जो बॉलीवुड में काम कर रहे है

मुम्बई। सन 1980 में ऋतिक रोशन ने एक बाल कलाकार के रूप में फिल्मो में आने के बाद फिल्म कहो ना प्यार है (2000) में प्रमुख भूमिका निभाई. इस फिल्म को बड़ी सफलता मिली, रोशन के श्रेष्ट अभिनय के लिए उनको सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ पुरुष पहली फिल्म अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने कोई मिल गया (2003), कृष (2006) और धूम 2 (2006) जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए विख्यात रहे है जो की अभ तक उनका सबसे बड़ी व्यावसायिक सफलता हैं और जिसके लिए उन्होंने कई सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार प्राप्त किये.सन 2008 में, रोशन को उनका चौथी फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा कज़ान में उन्हें स्वर्ण मिंबर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपना प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और जोधा अकबर फिल्म का अभिनय के लिए उनको रूस में पुरास्कार प्राप्त हुआ। इस प्रकार भारत में रोशन, एक प्रमुख अभिनेता के रूप में खुद को स्थापित किया है।सन 1980 में जब रोशन छह वर्ष के थे, ताब एक बाल कलाकार के रूप में अपनी अभिनय के शुरुवात फिल्म आशा से किए, जिसमें वे नृत्य अनुक्रम में एक अतिरिक्त के रूप में निर्गत हुए.रोशन, आप के दीवाने (1980) और भगवान दादा (1986) जैसे फिल्मो में छोटी भूमिकाएं निभाते रहे, उन दोनों फिल्मोमे उनके पिताजी को अग्रणी भूमिका के रूप में दर्शाया था। फिर वे एक सहायक निर्देशक बने और अपने पिता की फिल्मों करन अर्जुन (1995) और कोयला (1997) के उत्पादन मे उनका सहयोग किया।सन 2000 में रोशन ने लोगों के सामने पहली उपस्थिति करने वाली अभिनेत्री अमीषा पटेल के साथ फिल्म कहो ना प्यार है में लीड रोल में आए.यह फिल्म, जो उनके पिता द्वारा निर्देशित किया गया और जिसमे उन्होंने एक दोहरी भूमिका निभाई, बॉक्स ऑफिस में बहुत ही सफलता प्राप्त की, सन 2000 में सर्वोच्च लाभदायक फिल्म बना और सर्वश्रेष्ठ फिल्मफेयर मूवी पुरस्कार में विजेता प्राप्त किया। रोशन के प्रदर्शन को अछी तरह स्वीकारा गया और इस फिल्म ने उन्हें रातोरात सितारा बना दिया. इस भूमिका केलिए अंततः उन्हें सर्वश्रेष्ठ पुरुष पहली फ़िल्मफेयर पुरस्कार और फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार प्राप्त हुआ। सन 2003 में 102 पुरस्कार पाया गया इस बॉलीवुड फिल्म को सबसे अधिक पुरुस्कार के लिया लिम्का पुस्तक रिकॉर्ड में शामिल किया गया। उसी वर्ष रोशन खालिद मोहम्मद की फ़िल्म फिज़ा में प्रमुख भूमिका निभाए. हालाँकि इस फ़िल्म का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा रहा, पर उनके अभिनय को सराहा गया और इस लिए उन्हें फ़िल्मफेयर समारोह में एक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का नामांकन प्राप्त हुआ।इंडिया ऍफ़एम् के तरन आदर्श ने ज़ाहिर किया की,क्इस फिल्म की मुख्य आधार बेशक हृतिक रोशन है। उसकी शारीरिक भाषा, बोलने का ढ़ंग, मुखाकृति और संपूर्ण व्यक्तित्व महान प्रशंसा के योग्य है। इस फिल्म के द्वारा, रितिक ये साबित करते है कि एक फ़ैशनपरस्त उत्साह, मिल्स एंड बून प्रेमी-लड़का और एक सेक्स सिम्बल होने से अधिक उनके पास साबित करने केलिए बहुँत कुछ है। कही दृश्यों में उनका प्रतिभा ख़ास करके करिश्मा के साथ उभरकर धर्षित हुआ। तात्पर्य यही है की, प्रदर्शन का श्रेय रोशन को जाता है जिन्हों ने फिजा को एक बड़ी हद ताक बचाया. बेशक एक शानदार प्रदर्शन!उस साल के रोशन की आखिरी प्रदर्शित फिल्ममिशन कश्मीर, उस वर्ष के उच्चतम तीसरे लाभाधायक फिल्म बनी. एक समीक्षक ने उनके प्रदर्शन को एक बार फिर त्लारीफ किया की,व रितिक एक बार फिर एक नौजवान, जो आतंकवाद के भंवर में चूसा हुआ के रूप में एक शानदार प्रदर्शन किया। उनको फिल्म के प्रारंभिक भाग में एक सरकार विरोधी के रूप में चित्रित किया गया - जो की एक अनुभवी अभिनेता के लिया साहसिक कार्य है, एक उभरते सुपरस्टार की तो क्या बात करें .इन सभी उपलब्धियों ने उन्हें इस उद्योग के एक सबसे बड़े सितारों के स्थान तक पहुँचा

दिया.सन 2001 में सुभाष घई की यादें उनकी पहली रिलीज थी। जिसके बाद करण जौहर का नाटकीय कभी खुशी कभी ग़म, जो की बॉक्स आफिस में बहुत अच्छी तरह हिट हुआ जो की सन 2001 का दूसरी सबसे अधिक लाभदायक फिल्म और विदेश में सबसे बड़ा हित रहा. रोशन का प्रदर्शन अच्छी तरह से स्वीकार गया और विभिन्न पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए नामांकन किया गया। सन 2002 को रोशन का असफल वर्ष माना गाया क्योकि उनके तीनों फिल्मे - मुझसे दोस्ती करोगे, ना तुम जानो न हम और आप मुझे अच्छे लगने लगे बॉक्स ऑफिस पर असफल रही.सन 2003 में उन्होंने वैज्ञानिक उपन्यासिक फिल्म कोईह्व मिल गया से अपनी वापसी की, जो की उस वर्ष की अधिक लाभदायक फिल्म माना गया और उन्हें दूसरी बार फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवार्ड मिला.सन 2007 में फरहान अख्तर का लक्ष्य रोशन का एक मात्र रिलीज़ था, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कोई अच्छा प्रभाव नहीं डाला, लेकिन उनके प्रदर्शन की आलोचकों ने प्रशंसा की. रोशन दो साल अभिनय से दूर रहनेके बाद सन 2003 में फिल्म कोई ह्व मिल गया, क्रिश में उन्होंने बेहतरीन अभिनय किया। यह फिल्म एक प्रमुख बॉक्स ऑफिस सफलता थी और सन 2006 के सर्वोच्च लाभाधायक फिल्मो मेसे एक थी। उनका सुपर सिथारोवाला भूमिका को सराया गया, जिससे उन्होंने कही समाहरोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेताका पुरस्कार प्राप्त किया।उसी वर्ष की उनकी अगली फिल्म,धूम 2, जो की 2004 की धूम का सीक्वल था और जिसमे उन्होंने पहली बार एक खलनायक की भूमिका निभाई. ऐश्वर्य राय बच्चन के साथ की गयी इस फिल्म में रोशन के प्रदर्शन आलोचको की प्रसंशा के बावजूद, उन्हें तीसरा फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार प्राप्त हुआ. यह फिल्म 2006 की सर्वोच्च लाभदायक फिल्म के साथ-साथ बॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों में रही.सन 2008 में, रोशन ने आशुतोष गोवारीकर के जोधा अकबर फिल्म में ऐश्वर्य राय बच्चन के साथ अभिनय किया। उन्होनें महान अकबर की ऐतिहासिक भूमिका को बखूबी निभायी. फिल्म ने दोनों, भारत और विदेशों हाल ही में रोशन जोया अक्थर के लक्क बाई चान्स (2009) में एक विशेष रूप में दिखाई दिये.इसके बाद मेक्सिकन अभिनेत्री बारबरा मोरी और कंगना रानौत के साथ अनुराग बसु की कैटस फिल्म के लिए अभिनय किया और निर्देशक संजय लीला भंसाली की गुजारिश में ऐश्वर्या राइ बच्चन के साथ भूमिका निभाई.रोशन मुंबई में, सिनेमा हस्तियों की एक पंजाबी हिंदू परिवार में जन्म लिए. उनके पिता, फिल्म निर्देशक राकेश रोशन जी संगीत निर्देशक रोशन जी के सुपुत्र है और उनकी माँ, पिंकी, उत्पादक और निर्देशक ज. ॐ प्रकाश जी के सुपुत्री है। संगीत निर्देशक राजेश रोशन उनके चाचा हैं। ऋतिक ने बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल से पढाई की। बाद में वे सिद्नेहम कालेज जाकर अपनी बी.कॉम की पदवी हासिल की.रोशन ने संजय खान के पुत्री सुजैन खान से शादी की है। इसके दो बेटे ह्रेहान रोशन और ह्रिधान रोशन है. हाल ही में ऋतिक और सुजैन रोशन का तलाक हुआ लेकिन दोनों बच्चों की कस्टडी माता-पिता दोनों के पास है।

शशि कपूर ने बाल कलाकार से शुरू किया था करियर, 40 सालों तक किया राज

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कपूर खानदान के मशहूर बेटे और दिग्गज कलाकार शशि कपूर की आज 81वीं बर्थ एनिवर्सरी है। शशि कपूर बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टर्स में से एक हैं जिनकी फिल्मों के गाने और डायलॉग्स आज भी लोगों की जुबान पर चढ़कर बोलते हैं। मजह दस साल की उम्र में बतौर बाल कलाकार अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले शशि कपूर ने बॉलीवुड में 40 साल का सफर पूरा किया। 79 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद इस महान कलाकार ने 2017 में आखिरी सांस ली थी।

1948 में रिलीज हुई फिल्म 'आग' से शशि कपूर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म को उनके भाई राज कपूर ने बनाया था, उस वक्त फिल्म ने खूब वाहवाही बटोरी थी। शशि कपूर का जन्म 18 मार्च 1938 को कोलकाता में हुआ था। शशि कपूर, पृथ्वीराज कपूर के तीन बेटों में सबसे छोटे थे। अपने जमाने के स्मार्ट और आकर्षक एक्टर्स की लिस्ट में शामिल शशि कपूर के बचपन का नाम बलबीर राज कपूर था। शशि कपूर ने विदेशी जेनिफर केंडल से साल 1958 में शादी की थी। शशि कपूर ने मजह 20 साल की उम्र में खुद से तीन साल बड़ी जेनिफर से शादी कर ली। शशि और जेनिफर के नों तीन बच्चे कुणाल कपूर, करण कपूर और संजना कपूर हैं। संजना अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और वो पृथ्वी थिएटर का पूरा काम देखती हैं। बता दें कि शशि कपूर ने अपने 40 साल के लंबे करियर में 160 फिल्मों काम किया था जिसमें से 148 हिंदी और 12 इंग्लिश फिल्मों के नाम शामिल हैं। 60 और 70 के दशक में शशि कपूर ने जब-जब फूल खिले, कन्यादान, शर्मीली, आ गले लग जा, रोटी कपड़ा और मकान, चोर मचाए शोर, दीवार कभी-कभी और फकीरा जैसी यादगार फिल्मों में काम किया। शशि कपूर को दादा साहेब फाल्के और पद्म भूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

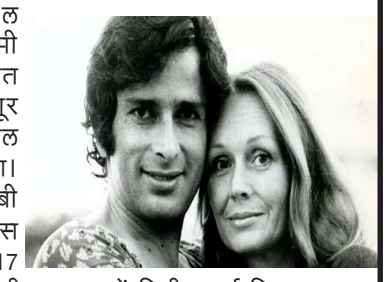

'वांटेड' गर्ल आयशा टाकिया ने क्यों छोड़ा था बॉलीवुड? नाराज हो गये थे कई बड़े फिल्म निर्माता

मुम्बई। सलमान खान की बड़ी हिट वांटेड फिल्म में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वाली आयशा टाकिया लंबे समय से बॉलीवुड से गायब हैं। खूबसूरत और ग्लैमरस अभिनेत्री के लिए सब कुछ उनके अनुकूल चल रहा था जब उन्होंने अचानक एक होटल व्यवसायी से शादी कर ली और उद्योग छोड़ने का फैसला किया। आयशा के इस फैसले से उनके कई फैन्स परेशान हो गए। संयोग से जब आयशा ने उद्योग छोड़ दिया, तब वह पहले से ही कुछ फिल्में साइन कर चुकी थी लेकिन उन्होंने बॉलीवुड छोड़ने के बाद निर्माताओं को भी मझधार में छोड़ दिया। भले ही आयशा ने उन सभी फिल्म निर्माताओं को नोटिस दिया जिनके साथ उन्होंने परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन निर्माता कथित तौर पर नाखुश थे क्योंकि उनकी फिल्मों के लिए अब एक नये चेहरे की तलाश तलाश करनी थी। आयशा टाकिया जैसी चुलबुल और मासूम दिखने वाली एक्ट्रेस को उस समय खोजना थोड़ा मुश्किल हुआ। इस वजह से फिल्मों के रिलीज में देरी हुई थी। उस समय अमृता अरोड़ा, करीना कपूर और कई अन्य अभिनेत्रियां ग्लैमरस दिखने के लिए उत्सुक थीं, यही वजह थी कि इसने आयशा जैसी अभिनेत्रियों के लिए एक जगह बनाई, जो एक चुलबुल और सरल लड़की होने के बिल को फिट करती थी साथ ही साथ सुंदर भी दिखती थी। आयशा टाकिया ने अच्छा अभिनय भी किया था जिसके कारण उनकी मांग बढ़ी थी। लेकिन आयशा ने अभिनय से बाहर निकलने का फैसला क्यों किया जब वह बॉलीवुड में और अधिक सफलता हासिल कर सकती थीं? कथित तौर पर, आयशा की शादी प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ अबू आज़मी के बेटे, होटल व्यवसायी फरहान आज़मी से हुई, जिसने उन्हें बॉलीवुड से बाहर कर दिया। वह जल्द ही एक लड़के मिखाइल की मां बन गई। कुछ वर्षों तक वैवाहिक आनंद और मातृत्व का आनंद लेने के बाद, आयशा के बॉलीवुड में वापसी की योजना बनाने की अफवाह थी। हालांकि, पिछले कुछ सालों में चीजें काफी बदल गईं जब से उन्होंने फिल्म उद्योग छोड़ दिया था। नई लड़कियों ने व्यवसाय में प्रवेश किया था, माँगें और आवश्यकताएँ बदल गई थीं और अपेक्षाएँ काफी अधिक हो गई थीं। यह अफवाह थी कि आयशा ने कई बार प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी और यहां तक कि बॉलीवुड पार्टियों में भी जाना शुरू कर दिया था ताकि यह संकेत दिया जा सके कि वह वापसी करना चाहती हैं। हालाँकि, ऐसा लगता है कि आयशा टाकिया बस से चूक गईं क्योंकि किसी ने उन्हें फिल्मों में भूमिका देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

सबको हंसाने वाले सतीश कौशिक दिल में रखते थे बेइंतहां दर्द, इन किरदारों को किया था जीवंत

मुम्बई। टीवी जगत और बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का लोह मनवा चुके सतीश कौशिक की पिछले महीने हुई मौत ने सभी को हैरान कर दिया। सतीश कौशिक ने 67 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। बता दें कि यदि सतीश कौशिक जिंदा होते तो वह आज यानि की 13 अप्रैल को अपना 67वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे होते। लेकिन भले ही वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनसे जुड़ी यादें हमेशा उनके फैंस के दिलों में बसती हैं। आइए उनके बर्थडे के मौके पर जानते हैं सतीश कौशिक की जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में... **जन्म और शिक्षाः** हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 13 अप्रैल 1956 को सतीश कौशिक का जन्म हुआ था। सतीश ने अपनी शुरूआती पढ़ाई दिल्ली के करोलबाग से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के करोड़ीमल कॉलेज से ग्रेजुएशन किया।**करियरः** सतीश कौशिक ने अपने करियर की शुरूआत बतौर सहायक निर्देशक शेखर कपूर के साथ फिल्म मासूम से की थी। इस फिल्म में सहायक निर्देशक की भूमिका के साथ ही उन्होंने एक्टिंग भी की थीं। इसके बाद उन्होंने बतौर निर्देशक करियर की शुरूआत श्रीदेवी और अनिल कपूर की फिल्म रूप की रानी चोरों के राजा से की। हालांकि यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। फिर सतीश कौशिक ने अनिल कपूर और ऐश्वर्या को लेकर एक फिल्म हम आपके दिल में रहते हैं निर्देशित की। **एक्टिंगः** सतीश कौशिक ने न सिर्फ निर्देशन बल्कि एक्टिंग फील्ड में भी अपना करियर आजमाया। वह अभिनय के काफी मंझे हुए खिलाड़ी थे। उन्होंने अपने 4 दशक लंबे करियर में करीब 100 से अधिक फिल्मों में अपने अभिनय का जादू दिखाया है। इनमें से कई फिल्मों में उन्होंने अपने आइकॉनिक किरदारों को पर्दे पर जीवंत कर दिया था।

इस तरह अपने हाथों अपना ही कॅरियर बर्बाद कर लिया तनुश्री दत्ता ने

मुम्बई। 'तनुश्री दत्ता' एक ऐसी स्टार, जिसकी फ.िल्म 'आशिक बनाया आपने' ने उसे रातों-रात स्टार बना दिया। 34 की तनु का जन्म 19 मार्च 1984 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था। तनु ने अपनी पहली फ.िल्म से बॉलीवुड में एक धमाकेदार आगाज़ किया, उस समय ऐसा लगा मानों ये एक्ट्रेस बॉलीवुड की तमाम एक्टऐसेस पर भारी पड़ने वाली। लेकिन ऐसा नहीं और उन्होंने धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूरी बना ली, बाद में पता चला कि वो आध्यात्मिक खोज में लगी हुई हैं। तनु का यूं अचानक फ.िल्म इंडस्ट्री छोड़ना लोगों को समझ नहीं आया और सबके मन में

एक ही सवाल था कि आखिर एक्ट्रेस के साथ ऐसा क्या हुआ, जो उसे एक्टिंग छोड़ आध्यात्म का रास्ता चुनना पड़ा। तनुश्री दत्ता के आरोप के मुताबिक, 2008 में फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के आइटम सॉन्ग के दौरान, बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर ने उन्हें ग़लत तरीके से छूने की कोशिश की थी। तनु को नाना की ये हरकत बिल्कुल पसंद नहीं आई और वो मामले को थाने तक ले गई। इस घटना का नाना की जिंदगी पर, तो कोई ख़ास असर नहीं पड़ा, लेकिन हां उसके बाद से तुनश्री को बॉलीवुड से फ.िल्मों के ऑफ़र आना बंद हो गए। इतना ही नहीं मामले को लेकर तनु ने मीडिया पर बड़ा आरोप लगाते हुए, ये भी कहा कि मीडिया ने क्रू मेंबर्स से मिलकर उनके साथ बदसलूकी की। हादसे के बाद तनु ने इसकी शिकायत सिने एंड टेलीविज़न आर्टिस्ट्स एसोसिएशन में की। उस समय के सदस्य एक्टर रजा मुरादा ने तनु की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाते हुए, उन्हें न्याय दिलाने का वादा भी किया। वहीं नाना पाटेकर ने मामले पर अपनी सफ़ाई देते हुए कहा था कि 'तनु मेरी बेटी की उम्र की है। मुझे नहीं पता कि वो मेरे लिए इस तरह की बातें क्यों बोल रही है। मैं सालों से फिल्म इंड्रस्टी में काम कर रहा हूं, लेकिन किसी ने भी आज तक ऐसे संगीन आरोप नहीं लगाए। इस विवाद के बाद फिल्म के आइटम सॉन्ग के लिए राखी सावंत को अप्रोच किया गया और इस तरह से 'नथिनी उतारो...' गाने में राखी सावंत ने तनुश्री दत्ता की जगह ले ली।

अमिताभ की ये 'हीरोइन', डांस एकेडमी चला कर रही गुजारा

मुम्बई। 70 के दशक में इस हीरोइन का खूब बोलबाला था। हिंदी ही नहीं भोजपुरी फिल्मों में भी ये हीरोइन खूब पॉपुलर थी। क्या आप जानते हैं कि ये हीरोइन कौन है और आजकल कहां है ? ये हीरोइन हैं पद्मा खन्ना, जिन्हें आपने अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'सौदागर' में देखा होगा, जिसमें एक सीन में अमिताभ उनकी खूब पिटाई भी करते हैं। इसके अलावा रामानंद सागर की 'रामायण' में भी आपने पद्मा को देखा होगा। उसमें पद्मा ने कैकयी का रोल निभाया था। इस किरदार को पद्मा खन्ना ने किस डेडीकेशन के साथ निभाया इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी कैकयी के नाम से जानने लगे। पद्मा खन्ना ने वैसे तो अपना एक्टिंग डेब्यू मात्र 12 साल की उम्र में ही कर लिया था लेकिन उन्हें करियर का सबसे बड़ा ब्रेक मिला 1970 में। उस साल उन्हें फिल्म 'जॉनी मेरा नाम' में एक डांस नंबर करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की करीब 400 फिल्मों में काम किया, लेकिन ज्यादातर फिल्मों में उन्हें डांसर के ही रोल मिले..फिर चाहे फिल्म 'लोफर' ??, ' जान-ए-बहार' हो या फिर 'पाकिजा'? हालांकि कई फिल्में ऐसी भी रहीं जिनमें पद्मा खन्ना को अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने का मौका मिला। 'आज की राधा' और 'टेक्सी चोर' जैसी कुछ ऐसी फिल्में रहीं जिनमें पद्मा ने अपनी एक्टिंग से इंप्रेस किया। 90 के दशक में पद्मा खन्ना ने फिल्म निर्देशक जगदीश एल सिडाना से शादी कर ली। सिडाना से पद्मा खन्ना की मुलाकात फिल्म 'सौदागर' के सेट पर हुई थी। उस फिल्म में सिडाना असिस्टेंट डाएरेक्टर थे। कुछ सालों बाद पद्मा खन्ना और सिडाना ने शादी कर ली। सिडाना ने कई फिल्में डाएरेक्ट कीं, कई फिल्में प्रोड्यूस कीं और उनमें पद्मा खन्ना ने एक्टिंग की। शादी के बाद पद्मा खन्ना ने फिल्मों को अलविदा कह दिया। फिल्मों से विदा लेने के बाद फिल्म इंडस्ट्री तो पद्मा खन्ना को भूल गई और शायद लोग भी, लेकिन वो कहीं और ही अपनी नई दुनिया बसाने में लगीं थीं। क्या आप जानते हैं कि आजकल वो कहां हैं ? शादी करने के बाद पद्मा खन्ना वो यूएस चली गईं। वहां उन्होंने इंडियानिका डांस अकेडमी खोली जिसमें वो बच्चों से लेकर बड़ों को क्लासिकल डांस सिखाती हैं। पद्मा ने ये डांस अकेडमी अपने पति के साथ मिलकर खोली, लेकिन कुछ साल पहले पद्मा खन्ना के पति की मौत हो गई और डांस अकेडमी और घर की सारी जिम्मेदारी पद्मा खन्ना के ऊपर आ गई। पद्मा खन्ना यानि पद्मा सिडाना के दो बच्चे हैं- एक बेटा और एक बेटी और वो उन्हीं के साथ मिलकर अपनी इस डांस अकेडमी को चला रही हैं। मात्र 7 साल की उम्र में पद्मा खन्ना ने कथक सीखना शुरू कर दिया था और 12 साल की उम्र तक आते-आते वो स्टेज पर परफॉर्म करने लगीं। 2008 में उन्होंने 'रामायण' पर आधारित एक म्यूजिकल किया जिसमें करीब 64 एक्टर थे। आज पद्मा खन्ना की ये अकेडमी खूब चल रही है और वो इससे खूब पैसा कमा रही हैं...लेकिन पैसों से ज्यादा उन्हें इस काम के जरिए काफी शोहरत मिल रही है। लोग उनके डांस और हुनर के कायल हैं।

राशिफल

मेष-:तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।	वृष-:जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।	मिथुन-:क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।	कर्क-:आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।
सिंह-:आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।	कन्या-:प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।	तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।	वृश्चिक-:छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।
धनु-:इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।	मकर-:लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।	कुंभ-:भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।	मीन-:आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।